**विषय सूचि**

**परिच्छेद-१**

**प्रारम्भिक**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **सि.न.** |  | **पेज नं.** |
| **१** | संक्षिप्त नाम र प्रारम्भ | ४ |
| **२** | परिभाषा र व्याख्या | ४ |
| **३** | नियमावलीहरुमा कितावखानाको ब्यवस्था | ५ |

 **परिच्छेद-२**

**अभिलेख राख्ने कार्यहरु**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **४** | पद तथा कार्यालय दर्ताः | **६** |
| **५** | सिटरोल दर्ता र प्रमाणित | ६ |
| **६** | ब्यक्तिगत अभिलेख राख्ने | ७ |
| **७** | सम्पती विवरण संकलन र अभिलेखांकन | ७ |
| **८** | उपचार खर्चको अभिलेख राख्नेः | ८ |

 **परिच्छेद-३**

**सेवा उपलब्ध गराउने कार्यहरु**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **९** | निवृत्तिभरण अधिकार पत्र जारी गर्ने वा उपदान किटान गर्ने | ८ |
| **१०** | नोकरी अवधि गणना | ८ |
| **११** | तलबी प्रतिवेदन पारित तथा स्केल मिलान गर्ने | ९ |
| **१२** | अबकासको सुचना सम्बन्धी | १० |
| **१३** | उमेर गणना सम्बन्धी | १० |

**परिच्छेद ४**

**नेपाल प्रहरी सम्बन्धी ब्यवस्था**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **१४** | अनिवार्य अवकाश सम्बन्धी व्यवस्था |  १० |
| **१५** | उपदान सम्बन्धी ब्यवस्था |  ११ |
| **१६** | निवृत्तिभरण सम्बन्धी ब्यवस्था |  १२ |
| **१७** | निबृतिभरणमा बृध्दी सम्बन्धी ब्यवस्था |  १३ |
| **१८** | पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान सम्बन्धी ब्यवस्था |  १३ |
| **१९** | अशक्त वृत्ति सम्बन्धी ब्यवस्था |  १४ |
| **२०** | असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान सम्बन्धी ब्यवस्था |  १५ |
| **२१** | सन्ततीवृत्ति र शैक्षिकवृत्ति सम्बन्धी व्यवस्था |  १६ |
| **२२** | समान सुविधा उपलव्ध हुने सम्बन्धी व्यबस्था |  १७ |
| **२३** | समितिको ब्यवस्था |  १७ |

**२३(क)** कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालय सम्बन्धी व्यवस्था १८

**परिच्छेद ५**

**सशस्त्र प्रहरी बल सम्बन्धी ब्यवस्था**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **२४** | अनिबार्य अबकाश सम्बन्धी ब्यवस्थf |  २० |
| **२५** | उपदान सम्बन्धी ब्यवस्था |  २१ |
| **२६** | निवृत्तिभरण सम्बन्धी ब्यवस्था |  २१ |
| **२७** | पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान |  २२ |
| **२८** | अशक्त वृत्ति |  २२ |
| **२९** | असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान |  २४ |
| **३०** | सन्तती बृत्ति र शैक्षिक बृत्ति |  २५ |
| **३१** | समान सुविधा उपलब्ध हुने सम्बन्धी व्यवस्था |  २६ |
| **३२** | कुनै एक पारिवारिक निवृत्तिभरण मात्र प्राप्त हुने सम्वन्धी व्यवस्था |  २६ |
| **३३** | समितिको व्यबस्था |  २६ |

**परिच्छेद ६**

**राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग सम्बन्धी ब्यवस्था**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **३४** | अनिवार्य अवकाश सम्बन्धी व्यवस्था | २७ |
| **३५** | उपदान सम्वन्धी व्यवस्थाः | २७ |
| **३६** | निवृत्तिभरण सम्वन्धी व्यवस्थाः | २८ |
| **३७** | पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान सम्वन्धी व्यवस्था | २९ |
| **३८** | अशक्त वृत्तिको लागि भएको व्यवस्थाः | २९ |
| **३९** | सन्तती बृत्ति र शैक्षिक भत्ता | ३० |
| **४०** | 1. असाधारण पारिवारिक बृत्ति र उपदानः
 | ३० |

**परिच्छेद ७**

**राष्ट्रिय सतर्कता प्रहरी सम्बन्धी ब्यवस्था**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **४१** | अनिवार्य अवकाश सम्बन्धी ब्यवस्था | ३१ |
| **४२** | उपदान सम्बन्धी व्यबस्था | ३२ |
| **४३** | निवृत्तिभरण सम्बन्धी ब्यवस्थाः | ३३ |
| **४४** | पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान | ३३ |
| **४५** | अशक्त बृत्ति सम्बन्धी व्यवस्था | ३४ |
| **४६** | असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान | ३४ |
| **४७** | सन्तती बृत्ति र शैक्षिक वृत्ति | ३५ |
| **४८** | समितिको व्यवस्था | ३६ |

  **परिच्छेद ८**

**विविध**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **४९** | ठेगाना परिवर्तन भएमा | ३६ |
| **५०** | र्इच्छाएको व्यक्ति परिवर्तन | ३६ |
| **५१** | नामथर फरक परेमा | ३७ |
| **५२** | शेष पछी हक सुविधा खाने | ३७ |
| **५३** | अधिकार पत्रको नामसारी | ३७ |
| **५४** | अधिकार पत्रको प्रतिलिपि | ३७ |
| **५५** | अभिलेखको प्रतिलीपि | ३८ |
| **५६** | कर्मचारी बेपत्ता भएमा | ३८ |
| **५७** | विवरण शंकास्पद भएमा | ३८ |
| **५८** | सुविधा रोक्का राख्ने | ३८ |
| **५९** | पुरानो अभिलेख व्यबस्थापन | ३८ |
| **६०** | विवरण उपलव्ध नभए वा फरक परेमा | ३८ |
| **६१** | अनुगमन निरीक्षण सम्बन्धी | ३९ |
| **६२** | अधिकार प्रत्यायोजन | ३९ |
| **६३** | बाधा अडकाउ फुकाउ | ३९ |
| **६४** | अनुसुचिहरु | ३९ |
| **६५** | खारेजि र बचाउ | ३९ |

**प्रस्तावना**

नेपाल सरकार गृह मन्त्रालय अन्तर्गत विभाग स्तरिय कार्यालयको रुपमा नेपाल प्रहरी¸सशस्त्र प्रहरी बल¸राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग र राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्रमा कार्यरत प्रहरी कर्मचारीहरुको वैयक्तिक विवरण(सिटरोल) राखी ती प्रहरी कर्मचारीलाई सम्बन्धित ऐन नियम अनुसार प्रदान गरिने उपदान, निवृत्तिभरण¸अशक्त वृत्ति¸ शैक्षिक वृत्ति लगायतका सुविधाहरु केन्द्रिय स्तरमा प्रदान गर्ने लगायत अभिलेख व्यवस्थित गर्ने कार्यहरुलार्इ छिटो छरितो, सरल, सुलभ, गुणस्तरीय एवं प्रभावकारी रुपमा पारदर्शी ढंगले सम्पादन गर्न र सेवाग्राही र कर्मचारीलाई कार्य सम्पादन प्रकृया तोक्न आवश्यक भएको हुदाँ कार्य सम्पादनसँग सम्बन्धित प्रचलित कानूनमा भएका व्यवस्थाहरु र विगतका अभ्यासहरुलाई समायोजन गरी दिग्दर्शनको रुपमा तयार गर्न आवश्यक देखिएकोले सुशासन (व्यवस्थापन तथा संचालन) ऐन २०६४ को दफा ४५ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी नेपाल सरकार (माननीय मन्त्रीस्तर) को मिति २०७४/०५/१४ को निर्णयानुसार यो दिग्दर्शन तयार पारी जारी गरिएको छ।

**परिच्छेद-१**

**प्रारम्भिक**

**१. संक्षिप्त नाम र प्रारम्भः**

(क) यो दिग्दर्शनको नाम "प्रहरी किताबखाना आन्तरिक कार्य संचालन दिग्दर्शन,२०७३" रहेको छ।

(ख) यो दिग्दर्शन नेपाल सरकार गृह मन्त्रालयबाट स्वीकृत भएको मिति देखी लागु हुनेछ।

**२. परिभाषा र व्याख्याः**

विषय वा प्रसंगले अर्को अर्थ नलागेमा यस दिग्दर्शनमाः

(क) **"अनुसूचि"** भन्नाले यस दिग्दर्शनको अनुसूचिलाई जनाउने छ ।

(ख) **"ऐन"** भन्नाले नेपाल प्रहरी र राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्रका कर्मचारीको हकमा प्रहरी ऐन २०१२, सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको हकमा सशस्त्र प्रहरी ऐन, २०५८ र राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागको हकमा विशेष सेवा ऐन २०४२ लार्इ जनाउने छ।

(ग) **“कर्मचारी”** भन्नाले नेपाल प्रहरी,सशस्त्र प्रहरी बल र राष्ट्रिय सर्तकता केन्द्रका प्रहरी कर्मचारीलार्इ जनाउने छ । सो शव्दले राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग र अन्तर्गत कार्यरत विषेश सेवाका कर्मचारीलाई समेत जनाउनेछ ।

(घ) **"किताबखाना"** भन्नाले प्रहरी किताबखानालाई जनाउने छ।

(ङ) **"दिग्दर्शन"** भन्नाले प्रहरी किताबखाना आन्तरिक कार्य ‌संचालन दिग्दर्शन, २०७३ लाई जनाउनेछ।

(च)**"नियम"** भन्नाले नेपाल प्रहरीको हकमा प्रहरी नियमावली, २०७१, सशस्त्र प्रहरीको हकमा सशस्त्र प्रहरी नियमावली २०७२, राष्ट्रिय अनुसन्धान विभागका कर्मचारीको हकमा बिशेष सेवा नियमावली २०४४ र राष्ट्रिय सर्तकता प्रहरी कर्मचारीको हकमा राष्ट्रिय सर्तकता प्रहरी नियमावली २०७१ लाई जनाउने छ।

**(छ) “महानिर्देशक"** भन्नाले कितावखानाको महानिर्देशकलाइ जनाउने छ ।

**(ज) “सम्बन्धित कार्यालय"** भन्नाले नेपालको संविधानले अंगिकार गरे बमोजिम संघिय र प्रान्तिय ढाँचाका कार्यालयहरु मध्ये कितावखानाबाट सम्पादन हुने कार्यको लागि कर्मचारीको सम्बन्धित प्रधान कार्यालय र जिल्ला स्तरमा सम्पादन हुने कार्यको लागि सम्बन्धित कर्मचारीको जिल्ला स्थित कार्यालयलार्इ जनाउने छ।

**३. नियमावलीमा कितावखाना सम्बन्धी ब्यवस्था**

1. *प्रहरी नियमावली २०७१ को नियम १८९ मा भएको प्रहरी किताबखाना सम्बन्धी व्यवस्थाः*

(१) यस नियमावलीको परिच्छेद–११ अन्तर्गतका देहाय बमोजिमका सुविधाहरू सम्बन्धित कार्यालयको सिफारिसमा प्रहरी किताबखानाबाट उपलब्ध गराइनेछ।

अ. सेवा निवृत्त प्रहरी कर्मचारीहरूको अधिकारपत्र जारी गर्ने।

आ. उपदानको अङ्क किटान गरी सम्बन्धित निकायमा पठाउने।

 इ. पारिवारिक निवृत्तिभरण,अशक्तवृत्ति,निवृत्तिभरण,सन्ततिवृत्ति,शैक्षिकवृत्ति आदिको अधिकारपत्र जारी गर्ने।

ई. पारिवारिक निवृत्तिभरणको नामसारी गर्ने।

(२) उपनियम (१) मा उल्लिखित सेवा उपलब्ध गराउने कार्यका अतिरिक्त प्रहरी किताबखानाबाट देहाय बमोजिमको कार्य समेत हुनेछः

1. पद दर्ता गर्ने,
2. पद खालीको लगत सङ्कलन गरी पद पूर्ति प्रयोजनको लागि मन्त्रालय र प्रहरी प्रधान कार्यालयमा मासिक रुपमा वा तत्कालै लेखी पठाउने,
3. प्रहरी कर्मचारीहरूको भर्ना देखि अबकाससम्मको (नियुक्ति, सरुवा, वढुवा, पुरस्कार, विभागीय सजाय, शैक्षिक योग्यता, तालीम, औषधी उपचार समेत) सम्पूर्ण अभिलेख राख्ने,
4. सिटरोल दर्ता गर्ने र प्रमाणित गर्ने,
5. नोकरी जोडने,
6. स्केल मिलान गर्ने,
7. तलबी प्रतिवेदन पारित गर्ने,
8. अभिलेखमा विवरण फरक परेमा जाँचबुझ गरी यकीन गर्ने,
9. प्रहरी कर्मचारी वहाल छँदै औषधी उपचारबापत लिएको रकमको अभिलेख राख्ने,
10. सम्पत्ति विवरणको अभिलेख राख्ने।

(३) नयाँ नियुक्तिको हकमा नियुक्ति गर्ने अधिकारीले र सो नियमावली बमोजिम सरुवा गर्ने अधिकारीले यस्ता नियुक्तिको वा सरुवाको सूचना प्रहरी किताबखानामा पठाई आफू भन्दा एक तह माथिल्लो अधिकृत र प्रहरी प्रधान कार्यालयमा त्यसको बोधार्थ दिनु पर्नेछ ।

(४) प्रहरी कर्मचारीको उपदान, निवृत्तिभरण विभागीय सजाय, पुरस्कार, प्रहरी कर्मचारी पदमा वहाल छँदै औषधी उपचारवापतको रकम लिएको भए सो अभिलेख समेत प्रहरी किताबखानामा पठाउनु पर्नेछ ।

(५) नयाँ निवृत्तिभरण अधिकारपत्र, पट्टा संशोधन, प्रतिलिपि वा पाना सकिएमा थप पुस्तिका वितरण जस्ता कार्यहरु प्रहरी किताबखानाले सम्बन्धित जिल्लाको जिल्ला प्रशासन कार्यालयलाई आवश्यक अधिकार प्रत्यायोजन गरी सम्वन्धित कोष तथा लेखानियन्त्रक कार्यालय मार्फत उपलव्ध गराउनेछ।

1. *सशस्त्र प्रहरी नियमावली २०७२ को नियम ७१ मा भएको प्रहरी किताबखानाको व्यवस्थाः*

क.सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी वा निजको हकवालाले पाउने उपदान¸निवृत्तीभरण¸पारिवारिक निवृत्तिभरण¸ अन्य सुविधा र वृत्तिको रकम प्राप्त गर्ने अधिकारपत्र सम्वन्धित सशस्त्र प्रहरी कार्यालयको सिफारिसमा सशस्त्र प्रहरी कितावखानाले दिनेछ ।

1. *विशेष सेवा नियमावली २०४४ को नियम १७.५ मा भएको प्रहरी किताबखानाको व्यवस्थाः*

क) सेवाका सबै कर्मचारीहरुको किताव दर्ता प्रहरी कितावखानामा गरिनेछ र कितावखानामा यस्ता कर्मचारीहरुको नम्वर मात्र दर्ता हुनेछ । कर्मचारीको नम्वर विभागले तोके बमोजिम हुनेछ ।

1. राष्ट्रिय सतर्कता प्रहरी नियमावली २०७१ को नियम ८२ को उपनियम (२) मा भएको प्रहरी किताबखानाको व्यवस्थाः-

नियम ६३ को उपनियम (२) बमोजिमको अवस्थामा बाहेक अन्य जुनसुकै कारणबाट सेवा निवृत्त हुने कर्मचारीको निवृत्तिभरण रकम निर्धारण¸निवृत्तिभरण अधिकारपत्र तथा निवृत्त कर्मचारी परिचयपत्रका लागि केन्द्रले सिफारिस सहित प्रहरी कितावखानामा लेखी पठाउनु पर्नेछ ।

**परिच्छेद-२**

**अभिलेख राख्ने कार्यहरु**

**४. पद तथा कार्यालय दर्ताः**

1. नेपाल सरकारले कुनै स्थानमा नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी वल, राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग अन्तरगतको कुनै कार्यालय खोल्ने,खारेज गर्ने वा संख्या हेरफेर वा परिवर्तन गर्ने निर्णय गरेमा त्यस्तो कार्यालय किताबखानामा दर्ता गर्नु पर्दछ । किताबखानामा दर्ता भए पछि मात्रै उक्त संगठनमा स्वीकृत दरबन्दी पुर्तिको कार्वाही गर्नु पर्दछ।
2. नयाँ संगठन दर्ता भएमा वा साविकको सगठनमा कुनै तहको पद थप सिर्जना गर्ने वा खारेज गर्ने वा हेरफेर वा परिवर्तन गर्ने नेपाल सरकारबाट निर्णय भएमा त्यस्तो पद किताबखानामा दर्ता गरे पछि मात्रै पदपुर्तिको कार्वाही गर्नु पर्दछ।
3. संगठन तथा पद दर्ताको लागि नेपाल सरकारको निर्णयको प्रति प्राप्त भएपछि किताबखानामा दर्ता गरी सम्बन्धित कार्यालयलार्इ सात दिन भित्र जानकारी गरार्इने छ ।

**५. सिटरोल दर्ता र प्रमाणित**

1. नयाँ नियुक्ति हुने प्रहरी कर्मचारीले नियुक्ति भएको एक महिना भित्र निर्धारित ढाचाँ अनुसारको सिटरोल (व्यक्तिगत विवरण फाराम) दर्ता गरी प्रमाणित गरी गरार्इ संकेत नं. प्राप्त गर्नु पर्दछ।
2. सिटरोल दर्ता प्रमाणितको लागि सम्बन्धीत प्रहरी कर्मचारीले तिन प्रति सिटरोल भरी पेश गर्नु पर्दछ।
3. सिटरोलमा उल्लेखित सम्पुर्ण विवरण भरी कर्मचारीको ल्याप्चे सहीछाप सहित कार्यालय प्रमुखले प्रमाणित गरी किताबखानामा पठाउनु पर्दछ। किताबखानाले प्रमाणित गरी एक प्रति अभिलेखको लागि राखी बाकी दुर्इ प्रति सम्बन्धित कार्यालयमा पठार्इ दिनु पर्दछ। सो मध्ये एक प्रति कर्मचारी कार्यरत कार्यालयमा र अर्को प्रति सम्बन्धित प्रधान कार्यालयमा राख्नु पर्दछ।
4. सिटरोल दर्ता गर्दा निम्न अनुसारको विधि प्रयोग गर्नु पर्दछः
5. हालसालै खिचेको फोटो टास गरी सो फोटोमा समेत पर्ने गरी कर्मचारी कार्यरत कार्यलयको प्रमुखले प्रमाणित गरेको।
6. कार्यरत कार्यालयले शुरु हाजिर भएको बहाली मिति जनार्इ गरेको सिफारिस ।
7. शैक्षिक योग्यताको प्रमाणपत्रहरु, नागरिकताको प्रमाणपत्र, स्थायी नियुक्तिपत्र तथा पदास्थापना पत्रको प्रमाणित प्रतिलिपिहरु संग्लन भएको।
8. एक महिना भित्रमा सिटरोल भर्ने दायित्वबाट बिमुख भर्इ पछि भर्ने कर्मचारीहरुको हकमा समयमै भर्न नसक्नुको कारण सहित सेवा अवधि भरमा अध्ययन, असाधारण बिदा लिए नलिएको, गयल कट्टी भए नभएको, उपचार खर्च बापतको रकम लिए नलिएको, विभागीय कार्वाही भए नभएको, शुरु नियुक्ति भए पछि हाल सम्मको नोकरी अटुट भए नभएको विवरण समेत खुलार्इ पठाउनु पर्दछ।
9. उपरोक्त बमोजिम प्राप्त हुन आएको सिटरोल किताबखानाबाट प्रमाणित गरी PPIS Entry गरी प्रत्येक कर्मचारीलार्इ अलग अलग संकेत नं. दिर्इ दर्ताको जानकारी सहित पठाउनु पर्दछ।
10. सेवामा बहाल रहेको तर प्रचलित कानून बमोजिम सिटरोल नभर्ने कर्मचारीलार्इ तुरुन्त भर्न लगाउने र संकेत नं. प्राप्त नहुन्जेल सम्म तलबी प्रतिवेदन स्वीकृत नगर्न र तलब भत्ता नखुवाउन सम्बन्धित कार्यालय तथा कोष तथा लेखा नियन्त्रण कार्यालयलार्इ प्रत्राचार गर्न सकिने छ।

**६. ब्यक्तिगत अभिलेख राख्ने**

1. यस दिग्दर्शन अनुसार नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी वल तथा राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग अन्तरगत कुनै कार्यालय खोल्ने, खारेज गर्ने वा सख्या हेरफेर वा परिवर्तन गर्ने एवम पद तथा दरबन्दीहरु श्रृजना गर्ने निर्णय पश्चात किताबखानालाई प्राप्त जानकारी अनुरुप किताबखानाले अनुसूचि २ मा ऊल्लेख भए बमोजिमको हस्तलिखित ढड्डामा र पिपिआइएस सफ्टवयरमा अभिलेख राख्नुपर्नेछ।
2. कर्मचारीहरुको सरुवा, बढुवा, पुरस्कार तथा विभागीय सजाय सम्बन्धी प्रत्येक विबरण सम्बन्धित कार्यालयले कितावखानालाई दिनु पर्दछ। त्यसरी प्राप्त विबरण कितावखानाले पिपिआइएस सफ्टवयरमा अभिलेख राख्नु पर्नेछ।
3. प्रहरी कितावखानाले कर्मचारीहरुको सेवा सम्बन्धी अद्ध्याबधिक विबरणको फाईलहरु हार्ड कपी र सफ्ट कपीमा अभिलेख राख्नु पर्दछ। सफ्टकपीको अभिलेख पिपिआइएस सफ्टवयरमा राख्नु पर्नेछ।

**७. सम्पत्ति विवरण संकलन र अभिलेखांकन**

1. भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा ५०(क), अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग ऐन, २०४८ को दफा ३०(१) सम्वन्धीत कर्मचारीको सेवा सम्वन्धी नियमावली बमोजिम प्रत्येक कर्मचारीले आर्थिक वर्ष समाप्त भएको ६० दिन भित्र र नयाँ नियुक्ति भएको कर्मचारीले शुरु नियुक्ति भएको ६० दिनभित्र किताबखानामा आइपुग्ने गरी आफ्नो सम्पत्ति विवरण (आफ्नो कार्यालय मार्फत्) पेश गर्नु पर्दछ । सेवा निवृत्त भए पश्चात पनि सेवा निवृत्त भएको आर्थिक बर्षको सम्पत्ति विवरण नयाँ आर्थिक बर्षको ६० दिन भित्र कितावखानामा प्राप्त हुने गरी पेश गर्नु पर्नेछ।
2. नेपाल राजपत्र भाग ५ खण्ड ६० संख्या १ मिति २०६७ वैशाख ६ को नेपाल सरकार, प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयको सूचना अनुसारको ढाँचा बमोजिमको सम्पत्ति विवरण फाराम भरी खाम बाहिर अनुसूचि ९ को ११ नं. बमोजिम भर्नुपर्नेछ ।
3. उपदफा (२) अनुसार पूर्ण विवरण भरी शिलबन्दी गरेको सम्पत्ति विवरण रहेको खाम प्राप्त भएमा तुरून्त कम्प्युटरमा प्रविष्टि गरी अभिलेख राखिनेछ । संकेत नम्बर नभएको, नमिलेको वा हालको कार्यालय र पद नमिली प्राप्त भएको सम्पत्ति विवरणमा सबै मिली नआएसम्म सम्पत्ति विवरण दर्ता गरिने छैन । तर, संगठन वा पद दर्ता नभएको कारणले पदाधिकार कार्यालय नमिलेको अवस्थामा भने सम्पत्ति विवरण दर्ता गर्न बाधा पर्ने छैन ।
4. हुलाक मार्फत् तोकिएको अवधिभित्र प्राप्त भएकोमा कम्प्युटर प्रविष्टि गरी अभिलेख राखिनेछ । तर तोकिएको मिति पछि प्राप्त भएको सम्पत्ति विवरणलाई प्राप्त नभए सरह मानी अभिलेख राखिने छैन।
5. कम्प्यूटर प्रविष्ट भएपछि सम्पत्ति विवरणको खाममा दर्ता नं र मिति उल्लेख गरी प्रत्येक आ.ब.को अलग-अलग हुने गरी क्रमबद्ध रुपमा राख्ने व्यवस्था मिलाउन सकिनेछ ।
6. सम्पत्ति विवरण अनुसन्धान गर्ने अधिकारप्राप्त निकायबाट माग भएमा तुरून्त पठाउनु पर्दछ। त्यसरी पठाइएको सम्पत्ति विवरण फिर्ता प्राप्त भएपछि सम्बन्धित स्थानमा राख्नु पर्दछ। यसरी पठाइएको र फिर्ता प्राप्त भएको सम्पत्ति विवरणको छुट्टै लगत राख्ने प्रबन्ध मिलाउनु पर्नेछ।
7. उपदफा (१) र (२) बमोजिमको म्यादभित्र सम्पत्ति विवरण बुझाउने र नबुझाउने कर्मचारीहरुको वार्षिक विवरण कितावखानाले राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्र,अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग, गृह मन्त्रालय, र कर्मचारीको सम्बन्धित केन्द्रीय निकायमा सम्पत्ति विवरण दाखिला गर्नुपर्ने अन्तिम म्याद समाप्त भएपछि निर्धारित समय भित्रै पठाउनु पर्नेछ।
8. उपनियम (१) र (२) बमोजिमको सम्पत्ति विवरण बुझाउनुपर्ने समयमा नबुझाएको कारण प्रशासनिक दण्ड जरीवाना बापतको रकम सम्बन्धित राजश्व खातामा दाखिला गरी उक्त रकम कर्मचारी बहाल रहेको कार्यालयमा आम्दानी बाँधि दाखिला भएको भौचरको प्रमाणित प्रतिलिपी र सम्बन्धित कार्यालयको सिफारिश पत्र समेतको आधारमा सम्बन्धित कर्मचारीले बुझाउन बांकी सम्पत्ति विवरण कितावखानामा बुझाउन सक्नेछन।
9. अध्ययन विदा¸ असाधारण विदा वा लामो अवधिको काज वा तालिममा रहेका कर्मचारीले पनि तोकिएको म्याद भित्र अनिवार्य रुपमा सम्पत्ति विवरण बुझाउनु पर्नेछ । त्यसरी विदा¸ काज वा तालिममा रहेको कारणले सम्पत्ति विवरण पेश गर्न दायित्वबाट उन्मुक्ति हुने छैन ।

**८. उपचार खर्चको अभिलेख राख्नेः**

प्रहरी कर्मचारीहरुको औषधी उपचारको रकमको अभिलेख कितावखानामा अद्यावधिक नगरी भुक्तानी दिईने छैन र प्रहरी कर्मचारीले पाएको उपचार खर्चको अभिलेख सम्बन्धित प्रधान कार्यालयले राखी त्यस्तो विवरण कितावखानामा पठाउनुपर्ने छ । औषधी उपचार खर्च लिएको जानकारी राख्ने र दोहोरो पर्ने गरी यस्तो सुविधा नलिनु सम्बन्धित कर्मचारीको कर्तव्य हुनेछ । झुठा विवरण प्रस्तुत भएमा सेवा सम्बन्धी कानून बमोजिम कारबाहीको लागी सम्बन्धित विभागमा सिफारिस गर्न सकिनेछ ।

**परिच्छेद-३**

**सेवा उपलब्ध गराउने कार्यहरु**

**९. निवृत्तिभरण अधिकार पत्र जारी गर्ने वा उपदान किटान गर्दा**

सेवा निवृत्त कर्मचारीहरुको अधिकार पत्र जारी गर्दा वा उपदान किटान गर्दा अनुसूचि १ मा उल्लेख भए बमोजिमको फारम प्रयोग गर्नु पर्दछ ।

**१०.नोकरी अवधि गणनाः**

* + - 1. कर्मचारीको नोकरी अवधिको गणना गर्दा प्रहरी सेवाको कुनै पदमा (सशस्त्र प्रहरीको हकमा नेपाली सेनामा समेत) स्थायी नियुक्ति भई नोकरी गरेको जम्मा अवधि (विचमा टुटेको भए सो टुटेको अवधि कटाई) लाई गणना गर्नु पर्दछ। सो को लागि निम्न कागजात पेश गर्नु पर्नेछ ।

(क) हाल कार्यरत निकायबाट पूर्व नोकरी गरेको प्रमाणको साथमा नोकरी जोड्ने सिफारिस पत्र,

(ख)उपदानमा गएको भए पूर्व खाएको उपदान बैंकमा दाखिला गरेको भौचर वा यस किताबखानामा रकम बुझाएको रसीद,

(ग)पूर्व नोकरी गरेको कार्यालयबाट सक्कल सिटरोल वा नियुक्ति पत्र लगायतका प्रमाणित कागजातहरु।

* + - 1. अबकास पाई सकेको व्यक्ति अदालतको फैसला वा यस नियमावली बमोजिम हुने विभागीय सजाय उपर परेको पुनरावेदनमा भएको निर्णय बमोजिम प्रहरी सेवा वा पदमा पुनःबहाली भएमा निजले पहिले उपदान पाएको भए उपदानको रकम फिर्ता गरेमा मात्र निजको पहिलेको नोकरी जोड्नु पर्दछ।
			2. नोकरी अवधि गणना गर्दा निलम्बन रहेको अवधिलाई समेत गणना गर्नु पर्दछ।

४. तल्लो पदमा रहेको कुनै कर्मचारी खुल्ला प्रतिष्पर्धाबाट माथिल्लो पदमा छनोट भर्इ नियुक्ति भएमा बिचमा सेवा अटुट भएमा सम्बन्धित कार्यालयको सिफारिसको आधारामा नोकरी अवधि जोडिनेछ ।

५. यस दफामा अन्यत्र जुन सुकै कुरा लेखिएको भएतापनि कुनै कर्मचारी हतियारधारी समुहको कारवाही वा अन्य कुनै प्रकारको सशस्त्र मुठभेड वा आक्रमण वा विष्फोटन वा हतियारधारी समूह वा त्यस्तै अन्य समूह विरुद्रको कारवाहीमा खटिएको बखत असक्त भै वा मृत्यु भै निज वा निजको परिवारले दिगदर्शनको १९ (४),२०(२),२८(४),२९(२),३८(४),४०(६) बमोजिमको निजले उमेरको हदले अबकास प्राप्त गर्ने अवधि ननाघ्ने गरि बढिमा सात वर्षको तलब पार्इरहेको अवधि नोकरी अवधिमा गणना हुनेछैन ।

**११. तलबी प्रतिवेदन पारित तथा स्केल मिलान गर्ने**

1. उपत्यका भित्रका कार्यालयमा कार्यरत कर्मचारीको हकमा किताबखानाबाट र जिल्ला स्थित कार्यलयका कर्मचारीको हकमा सम्बन्धित कोष तथा लेखा नियन्त्रण कार्यालयबाट तलबी प्रतिवेदन पारित नगरार्इ तलब र भत्ता खुवाउनु हुदैन।
2. तलबी प्रतिवेदन स्वीकृतको लागि कार्यालयले देहायका कागजात /विवरण सहित पेश गर्नु पर्दछ।
	1. अनुसुचीमा उल्लेख भए बमोजिमको तलबी प्रतिवेदन फारम दुई प्रति र सोको बिद्युतीय कपी,
	2. गतवर्षको स्वीकृत तलबी प्रतिवेदनको प्रतिलीपी एक प्रति,
	3. नयाँ नियुक्ति वा बढुवा भएका कर्मचारीको हकमा सोको प्रतिलीपी,
	4. अन्यत्र कार्यालयबाट सरुवा/बढुवा भै आउने कर्मचारीको हकमा साविक कार्यालयमा रहदाँ पारित भएको तलबी प्रतिवेदन एक प्रति।
3. तलबी प्रतिवेदन स्वीकृतिका लागि लेखी आएपछि किताबखानाबाट संलग्न कागजात पुरा गरी प्राप्त भएको स्वीकृत दरबन्दी अनुसारको कर्मचारीहरुको नियमानुसार पाउने तलब वृद्धि, संख्या, रकम र तलब वृद्धि शुरु हुने मिति समेत खुलार्इ तलबी प्रतिवेदन पारित गर्नु पर्दछ। ।
4. आबश्यक कागजात नपुग भएको वा कर्मचारीको किताबखानामा रहेको विवरण भिडार्इ फरक परेमा सोको कारण सहित थप कागजात सम्बन्धीत कार्यालयसंग माग गरि आए पछि मात्र तलबी प्रतिवेदन पारित गर्नु पर्दछ।
5. स्वीकृत ढाचाँ बमोजिमको तलबी प्रतिवेदन प्राप्त नभएको, दरबन्दी संख्या नमिलेको, पद नमिलेको, पद दर्ता, सिटरोल दर्ता नभएको अबस्था भएमा तलबी प्रतिवेदन पारित हुनेछैन ।
6. किताबखानाले तलबी प्रतिवेदन पारित गराउने कार्यालयहरुको विवरण तयार गरी राख्नेछ। तलबी प्रतिवेदन पारित नगराउने कार्यालयहरुको वार्षिक विवरण तयार गरी सम्बन्धित प्रधान कार्यालय, कोष तथा लेखा नियन्त्रण कार्यालय र गृह मन्त्रालयमा सम्बन्धित कार्यालयको तलब निकासा रोक्का गरी सिघ्र तलबी प्रतिवेदन पारित गराउन लेखी पठाउन सक्नेछ।

**१२. अबकासको सुचना सम्बन्धी**

1. कुनै कर्मचारी उमेर, सेवा अवधी र पदावधीको आधारमा अनिवार्य अवकाश हुने भएमा सामान्यत ६ महिना पहिले नै निजलाइ अवकाशको सूचना पठाईने छ । आफ्नो कार्यालयको कर्मचारी अवकाश हुने बारेमा कार्यालयमा रहेको अभिलेख र कितावखानाको अभिलेख बमोजिम कर्मचारीलाई सम्बन्धित कार्यालयले समेत जानकारी गराउनुपर्नेछ ।
2. अवकाशको सूचना पठाउदा उक्त कर्मचारीको व्यक्तिगत अभिलेख अद्यावधिक भए नभएको राम्रोसँग जाँची अद्यावधिक गर्न नपुग भएका कागजातहरु सम्बन्धित कार्यालयसँग माग गरी अद्यावधिक गरिनेछ ।
3. अवकाश हुने मितिको जानकारी लिने दायित्व सम्बन्धित कर्मचारी र सम्बन्धित कार्यालयको समेत हुने हुँदा अवकासको बारे थाहा नभएको भनी बढी अवधी सेवामा रहेमा पनि निजले नियमानुसार जति अवधिसम्म सेवारत रहनुपर्ने हो सो अवधि सम्म मात्र सेवा अवधि कायम हुनेछ ।
4. उपदफा ३ बमोजिम बढी अवधि सेवा गरी खाईपाई आएको तलव भत्ता वापतको रकम निजले पाउने जुनसुकै बाँकी रकमबाट असुल गरिनेछ ।

 **१३. उमेर गणना सम्बन्धी व्यबस्थाः**

 **१.** प्रहरी कर्मचारीको उमेरको हिसाब गर्दा देहाय बमोजिम गरिनेछ ।

(क) सेवामा प्रवेश गर्दा निजले पेश गरेको नागरिकताको प्रमाणपत्र, शैक्षिक योग्यताको प्रमाणपत्र र वैयक्तिक विवरण (सिटरोल) मा जन्ममिति वर्ष, महिना र गते समेत खुलेको र सबैमा एउटै मिति नरहेको भएमा जुन मितिबाट पहिले अवकास हुन्छ सोही मितिको आधारमा,

(ख) वर्ष वा संवत् मात्र उल्लेख भएको प्रमाणपत्रका आधारमा जन्ममिति कायम गर्दा नागरिकताको प्रमाणपत्रको हकमा प्रमाणपत्र प्राप्त गरेको मिति, शैक्षिक योग्यताको प्रमाणपत्रको हकमा प्रमाणपत्र जारी भएको मिति र सिटरोल वैयक्तिक विवरण को हकमा सुरु भर्ना भएको मितिको आधारमा,

(ग) कुनै प्रमाणपत्रमा वर्षमात्र उल्लेख भएको र अर्को प्रमाणपत्रमा पूरा जन्ममिति खुलेको रहेछ र त्यस्तो प्रमाणपत्रमा उल्लिखित जन्ममितिहरूको बीचमा एक वर्षसम्मको अन्तर देखिएमा पूरा खुलेको जन्ममितिको आधारमा । तर यसरी छुट्टाछुट्टै प्रमाणपत्रमा उल्लेख भएको जन्ममितिको अन्तर एक वर्षभन्दा बढी भएमा खण्ड ख बमोजिम कायम भएको जन्म मिति मध्ये जुन मितिको आधारमा सबै भन्दा पहिले हबकास हुन्छ सोही मिति कायम गरिनेछ ।

**परिच्छेद ४**

**नेपाल प्रहरी सम्बन्धी ब्यवस्था**

**(प्रहरी नियमावली २०७१ मा भएको व्यबस्था)**

**१४. अनिवार्य अवकाश सम्बन्धी व्यवस्थाः**

(१) देहायका प्रहरी कर्मचारीले देहाय बमोजिमको कुनै एक मध्ये जुन पहिले हुन्छ सोही आधारमा सरकारी सेवाबाट स्वतः अवकास पाउनेछनः-

(क) देहायको पदमा बहाल रहेका प्रहरी कर्मचारीको देहाय बमोजिम उमेर पुरा भएमाः–

(१) प्रहरी महानिरीक्षक – ५८ वर्ष

(२) प्रहरी अतिरिक्त महानिरीक्षक वा प्रहरी नायव महानिरीक्षक – ५६ वर्ष

(३) प्रहरी वरिष्ठ उपरीक्षक वा प्रहरी उपरीक्षक – ५५ वर्ष

(४) प्रहरी नायव उपरीक्षक – ५४ वर्ष

(५) प्रहरी निरीक्षक – ५३ वर्ष

(६) प्रहरी नायव निरीक्षक – ५२ वर्ष

(७) प्रहरी सहायक निरीक्षक – ५१ वर्ष

(८) प्रहरी हवल्दार र प्रहरी जवान – ४८ वर्ष

(९) प्रहरी कार्यालय सहयोगी – ५५ वर्ष

(ख) देहायका पदमा देहायको अवधिसम्म बहाल रहेको प्रहरी कर्मचारीले सो अवधि भुक्तान गरेको आधारमा:–

(१) प्रहरी महानिरीक्षक – ४ वर्ष

(२) प्रहरी अतिरिक्तमहानिरीक्षक/प्रहरीनायव महानिरीक्षक – ५ वर्ष

(३) प्रहरी वरिष्ठ उपरीक्षक – ६ वर्ष

(४) प्रहरी उपरीक्षक – १० वर्ष

स्पष्टीकरणः यस खण्डको प्रयोजनको लागि कायम मुकायम मुकरर भएमा पदको अवधि लागू हुने छैन । तर तल्लो पदमा नोकरीको अवधि लागू हुने रहेछ भने कायम मुकायम मुकरर भएको पदमा पदोन्नति हुन नसके तल्लो पदको अवधि नै लागू हुनेछ ।

(ग) खण्ड (क) मा जुनसुकै कुरा लेखिएको भए तापनि प्राविधिक प्रहरी समूहमा कार्यरत देहायका प्रहरी प्राविधिक कर्मचारीहरूले देहाय बमोजिम उमेर पुरा भएमाः–

(१) राजपत्राङ्कित द्वितीय श्रेणी वा सो भन्दा माथि – ५८ वर्ष

(२) राजपत्राङ्कित तृतीय श्रेणी – ५६ वर्ष

(३) राजपत्र अनङ्कित प्रथम द्वितीय र तृतीय श्रेणी – ५४ वर्ष

 (घ) तीस वर्ष नोकरी अवधि पूरा भएको।

२. मिति २०४९।११।१५ भन्दा अघि प्रहरी सेवामा नियुक्ति भई उपनियम (१) को खण्ड (क) वा (घ) बमोजिम अवकाश प्राप्त गर्ने प्रहरी कर्मचारीको हकमा निज नियुक्ति हुँदा बहाल रहेको प्रहरी नियमावली बमोजिम अवकाश प्राप्त गर्न जति उमेर बाँकी रहेको छ सो अवधि निजले गरेको जम्मा नोकरी अवधिमा थपी निजले पाउने निवृत्तिभरणको हिसाब गरिनेछ ।

(३) नियम १२९ (२) बमोजिम बढुवा भएका प्रहरी कर्मचारीको हकमा बढुवा भएको पदको उमेर थप गरि निवृत्तिभरण हिसाव गरिनेछ । (नियम १२७)

**१५. उपदान सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

 १. उपदान अंक किटान गर्ने सम्बन्धमा देहाय बमोजिम हुनेछः-

 पाँच बर्ष वा सो भन्दा बढी अवधि पुरा भएको प्रहरी कर्मचारीले निबृत्तिभरण पाउने अवधि नपुग्दै सेवाबाट अवकाश पाएमा वा राजीनामा स्वीकृत गराई पदबाट अलग भएमा वा भविष्यमा सरकारी नोकरीको निमित्त अयोग्य नठहरिने गरि पदवाट हटाईएमा निम्नानुसार उपदान पाउने छ।

* ५ बर्ष देखी १० बर्ष सम्म पुरा गरेको हकमा प्रहरी कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी आधा महिनाको तलव
* सेवा अवधि १०बर्ष देखी १५ बर्ष सम्म पुरा गरेको हकमा प्रहरी कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी एक महिनाको तलव
* सेवा अवधि १५ बर्ष भन्दा बढी तर निवृत्तिभरण पाउने अवधि नपुगेकाको प्रहरी कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी डेढ महिनाको तलव

(२)उप-नियम १ मा जुन सुकै कुरा लेखिएको भए तापनि प्रहरी कर्मचारीले सेवा पाउने वा सो सेवामा बहाल रहने उद्येश्यले नागरिकता वा उमेर वा योग्यता ढाँटेको प्रमाणित हुन आएमा त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीलाई उपदान दिईने छैन ।

**उपदान किटान गर्नको लागि अनुसूचि ९ को नं. १ बमोजिमका कागजातहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम १३०)**

**१६. निवृत्तिभरण सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

1. २० बर्ष वा सो भन्दा बढी समय सम्म प्रहरी सेवामा काम गरेका प्रहरी कर्मचारीले नोकरीबाट अवकाश पाएको मिति देखि निवृत्तिभरण पाउने छन् ।

 तर मिति २०६०/१२/२६ अगावै नियुक्ति भएका प्रहरी कर्मचारीले देहाय बमोजिम वा सो भन्दा बढी अवधि सम्म प्रहरी सेवामा काम गरी नोकरीबाट अवकाश भएमा निवृत्तिभरण पाउने छन् ।

क.राजपत्राङ्कित अधिकृत – २० वर्ष,

ख प्रहरी नायव निरीक्षक र प्रहरी सहायक निरीक्षक - १८ वर्ष,

ग.प्रहरी हवल्दार र प्रहरी जवान - १६ वर्ष,

1. उपनियम (१) बमोजिम दिइने निवृत्तिभरणको हिसाब देहाय बमोजिम हुनेछः
2. प्रहरी निरीक्षक देखि प्रहरी महानिरीक्षकको निमित्तः

नोकरी वर्ष X आखिरी तलब

 ५०

1. प्रहरी नायव निरीक्षक र सोभन्दा मुनिका प्रहरी कर्मचारीको निमित्तः-

नोकरी वर्ष X आखिरी तलब

 ४०

1. प्रहरी हवल्दार र सो भन्दा मुनिका निवृत्तिभरण पाइरहेका व्यक्तिहरुको उमेर साठी वर्ष पूरा भएपछि निजले पाइरहेको निवृत्तिभरणको अङ्कमा तीस प्रतिशत थप गरिनेछ ।
2. उपनियम (१) मा जुनसुकै कुरा देखिएको भए तापनि निवृत्तिभरणको न्यूनतम रकम समान पदको बहालवाला प्रहरी कर्मचारीको तलब स्केलको शुरु अङ्कको आधाभन्दा कम र अधिकतम रकम समान पदको बहालवाला प्रहरी कर्मचारीको तलबको शुरु स्केलभन्दा बढी हुने छैन ।
3. पन्ध्र वर्ष सेवा अवधि पूरा गरेको कुनै प्रहरी कर्मचारीको मृत्यु भएमा निजको सेवा अवधिमा निवृत्तिभरणको लागि आवश्यक पर्ने सेवा अवधि पुर्याउन चाहिने वर्ष थप गरी निजको परिवारलाई निवृत्तिभरण वा उपदान जुन लिन चाहन्छ सो रोजेर लिन दिईनेछ ।
4. प्रहरी प्रावधिक नियमावली¸ २०५८ बमोजिम प्राविधिक समुहमा नयाँ नियुक्ति भएको राजपत्राङ्कित द्वितिय वा तृतीय श्रेणीको पदको प्रहरी कर्मचारी यस नियमावली बमोजिम निवृत्तिभरण पाउने सेवा अवधि पूरा नहुदै सेवाबाट अवकास हुने भएमा निवृत्तिभरण प्राप्त गर्नको लागि बढीमा चार बर्ष सेवा अवधि थप भए निवृत्तिभरण पाउने भएमा नेपाल सरकारले बढीमा चार बर्ष सेवा अवधि थप गरी निवृत्तिभरण दिन सक्नेछ।
5. भविष्यमा सरकारी सेवाको निमित्त अयोग्य ठहरिने गरी सेवाबाट वर्खास्त गरिएको प्रहरी कर्मचारीले यस नियमावली बमोजिमको निवृत्तिभरण पाउने छैन ।

(८)उमेरको हद वा सेवा अवधि वा पदावधि पुगेको कारणबाट निवृत्तिभरण पाउने कर्मचारीले अवकास लिने मितिभन्दा ६ महिना अगाडि तोकिएको फाराम भरी सम्वन्धित अधिकारी समक्ष पठाउनु पर्दछ। त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीको मृत्यु भएमा निजको मृत्यु भएको छ महिना भित्र निजको परिवारले निवृत्तिभरणका लागि सम्वन्धित अधिकारी समक्ष दरखास्त दिनु पर्नेछ।

(९)प्रहरी सेवाबाट अवकास हुने प्रहरी कर्मचारीले सेवाबाट अलग भएको मितिले र मृत्यु हुने कर्मचारीको परिवारको व्यक्तिले मृत्यु भएको मितिले ६ महिना भित्रमा सम्बन्धित कार्यालयमा निवेदन दिनु पर्नेछ र कार्यालयको सिफारिस साथ अनुसुचि १ बमोजिमको निवेदन किताबखानामा दिनुपर्नेछ ।

(१०)मिति २०४९/११/१५ भन्दा अघि प्रहरी सेवामा नियुक्ति भई उपनियम (१) को खण्ड (क) वा (घ) बमोजिम अवकाश प्राप्त गर्ने प्रहरी कर्मचारीको हकमा निज नियुक्ति हुँदा वहाल रहेको प्रहरी नियमावली बमोजिम अवकाश प्राप्त गर्न जति उमेर बाँकी रहेको छ सो अवधि निजले गरेको जम्मा नोकरी अवधिमा थपी निजले पाउने निवृत्तिभरणको हिसाव गरिनेछ ।

**निवृत्तिभरण प्राप्तीको लागि अनुसूचि ९ को नं. २ बमोजिमका कागजातहरु पेश गर्नु पर्नेछ ।(नियम १३१ )**

**१७.** **निबृतिभरणमा बृध्दी सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

 **१.** बहालवाला प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा तलबको शुरु अङ्कमा जति वृद्धि भएको छ त्यसको दुई तिहाइ रकम समान पदका निवृत्त प्रहरी कर्मचारी (अमर प्रहरीका परिवार समेत) को निवृत्तिभरण रकममा पनि थप गरिनेछ **।**

 **१८.** **पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

1. कुनै प्रहरी कर्मचारीको सेवामा छँदै वा निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै मृत्यु भएमा निजको परिवारलाई वा निजको नाबालक भाई वा अविवाहिता दिदि बहिनीलाई नियम १३० वा १३१ मा लेखिए बमोजिम उपदान वा निवृत्तिभरण प्राप्त हुनेछ ।

 तर निवृत्तिभरणको हकमा यस्तो निवृत्तिभरण सात वर्षभन्दा बढी समय प्राप्त हुने छैन। निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै मृत्यु भएको प्रहरी कर्मचारीको परिवार वा नाबालक भाई वा अविवाहित दिदि बहीनीलाई सात वर्ष पुगेपछि निवृत्तिभरण प्राप्त हुनै छैन ।

1. उपनियम (१) मा जुनसुकै कुरा उल्लेख भए तापनि निवृत्तिभरण पाउने व्यक्ति नाबालक रहेछ भने निज अठार वर्षको उमेर नभएसम्म त्यस्तो निवृत्तिभरण पाउनेछ ।
2. प्रहरी कर्मचारीको विधुर पति वा विधवा पत्नीले निजको पति वा पत्नी सेवामा छदै वा निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै मृत्यु भएमा उपनियम (१) बमोजिम पारिवारिक निवृत्तिभरण पाउने भएमा सो निबृतिभरण अवधि भुक्तान भएको मितिदेखि र त्यस्तो निवृत्तिभरण नपाउने भएमा वा निजको पति वा पत्नीले निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष व्यतित भईसकेपछि मृत्यु भएमा निजको मृत्यु भएको मिति देखि जीवनभर निजले पाउने निवृत्तिभरणको आधा रकम पाउनेछ ।
3. बहालवाला प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा तलबको सुरु अङ्कमा जति वृद्धि भएको छ त्यसको दुई तिहाई रकम उपनियम (१) (२) र (३) अनुसार पारिवारिक निवृत्तिभरण पाईरहेका व्यक्तिले खाईपाई आएको पारिवारिक निवृत्तिभरण रकममा पनि थप गरिनेछ ।
4. कुनै प्रहरी कर्मचारीको यस नियमावली बमोजिम पाउने कुनै रकम लिन नपाउदै मृत्यु भएमा सो रकम निजको परिवारको सदस्यहरु मध्ये यस नियमावली बमोजिम निजको निवृत्तिभरण वा उपदान पाउने ठहरिएको व्यक्तिले लिन पाउनेछ ।
5. निवृत्तिभरण वा उपदान दिँदा मृतक प्रहरी कर्मचारीले आफ्नो परिवारका सदस्य मध्येमा वा नाबालक भाइ वा अविवाहित दिदि वहिनीलाई इच्छाएको नभए सो रकम निजको परिवारको सदस्य मध्ये नेपाल सरकारले उचित ठहर्याएको व्यक्तिलाई दिईनेछ ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूचि ९ को ३ बमोजिमका कागजातहरु पेश गर्नुपर्नेछ । (नियम १३२)**

**१९.** **अशक्त वृत्ति सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

1. कुनै प्रहरी कर्मचारी आफ्नो पदको कर्तव्य पालन गर्दा वा तालिमको सिलसिलामा दुर्घटनामा परी वा आघातमा परी अङ्गभङ्ग भई वा चोटपटक लागि शारीरिक वा मानसिक रुपमा प्रहरी सेवामा बहाल रहन अशक्त भएमा त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीले निजको जीविकाको निमित्त असक्त अवकाश पाएको मिति देखि बाँचुन्जेलसम्म अशक्तवृत्तिको रुपमा उपनियम (२) मा लेखिए बमोजिम निवृत्तिभरण सहित उपनियम (३) मा लेखिए बमोजिमको अशक्त भत्ता पाउनेछ ।

स्पष्टीकरणः- यस उपनियमको प्रयोजनका लागि मानसिक रुपमा अशक्त भन्नाले नेपाल सरकारले गठन गरेको मेडिकल बोर्डबाट मानसिक रुपमा अशक्त भई प्रहरी सेवामा काम काज गर्न असक्षम भनी सिफारीस गरेको व्यक्ति सम्झनु पर्छ ।

1. उपनियम (१) बमोजिम अशक्त भएको प्रहरी कर्मचारीको सेवा अवधि निवृत्तिभरण पाउने अवधि पुगेको भए निजले तत्काल खाईपाई आएको (कायम मुकायम, कार्यवाहक वा निमित्त भई काम गरेको भए सो को समेत) तलबले नियम १३१ को उपनियम (२)बमोजिम हिसाब गरी हुन आउने रकम बराबर अशक्त निवृत्तिभरण पाउने छ ।त्यस्तो अशक्त प्रहरी कर्मचारीको सेवा अवधि निवृत्तिभरण पाउने अवधि भन्दा घटी भएमा यस नियमावली बमोजिम निवृत्तिभरण पाउने वर्ष पुर्‍याउन नपुग प्रत्येक पूरा वा चानचुन वर्षको निमित्त दामासाहीबाट कट्टी गरी बाँकी हुन आउने रकम निवृत्तिभरण वापत पाउनेछ । यसरी कट्टी गर्दा एक तिहाईभन्दा बढी रकम कट्टी गरिने छैन ।
2. प्रहरी कर्मचारीले अशक्तता बापत उपनियम (२) बमोजिम पाउने अशक्त निवृत्तिभरणको अतिरिक्त थप पाउने मासिक अशक्त भत्ताको रकम निजले खाईपाई आएको तलबको बिस प्रतिशत बराबर हुनेछ ।साथै नियम १३८ को स्पष्टीकरण खण्डको देहाय (क)मा लेखिए बमोजिमको अशक्त प्रहरी कर्मचारीको हकमा निजको जीवनभर निजले खाइपाई आएको अशक्त भत्ताको बीस प्रतिशत रकम कुरुवा खर्चको रुपमा थप सुविधा समेत दिईने छ ।

तर अशक्तवृत्ति पाएका वा पाउने ठहरिएका प्रहरी कर्मचारीले पछि कुनै सेवामा पुनः प्रवेश पाएमा निजले यस नियम बमोजिमको अशक्तवृत्ति पाउने छैन र खाईसकेको अशक्तवृत्ति रकम भने फिर्ता गर्नु पर्ने छैन ।

1. उपनियम (१) मा जुनसुकै कुरा लेखिएको भए तापनि कुनै प्रहरी कर्मचारी हतियारधारी समूहको कारवाही वा कुनै प्रकारको सशस्त्र मुठभेड वा आक्रमण¸बिस्फोटन वा हतियारधारी समूह वा त्यस्तै अन्य समूह विरुद्धको कारवाहीमा खटिएका बखत कुनै आकस्मिक दुर्घटना परी वा लडी वा कुनै प्रकारको हतियारको चोटबाट प्रहरी सेवाको निमित्त काम गर्न असक्त भएमा त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीलाई एक तह पदोन्नति गरी सेवाबाट अवकाश दिईनेछ र निजले उमेरको हदले अवकास प्राप्त गर्ने अवधि ननाध्ने गरी बढीमा सात बर्ष सम्म खाईपाई आएको पूरा तलब पाउनेछ। त्यसरी पूरा तलब पाउने अवधि व्यतित भए पछि निवृत्तिभरण पाउने अवधि भन्दा कम सेवा अवधि भएको प्रहरी कर्मचारीले निवृत्तिभरण पाएको अवधिसरह र निवृत्तिभरण पाउने अवधिभन्दा बढी सेवा अवधि भएको प्रहरी कर्मचारीले नियम १३१ बमोजिम हिसाव गर्दा हुन आउने रकम पाउनेछ ।
2. उपनियम (१) वा (४) बमोजिम चोटपटक लाग्न गर्इ उपचार गराउँदा लाग्ने खर्चको पूरा रकम सम्बन्धित प्रहरी कर्मचारीले पाउनेछ र यस्तो उपचार खर्च दिँदा नियम १४१ को उपनियम (१) बमोजिम पाउने उपचार खर्चमा कट्टा गरिने छैन ।
3. उपनियम(४) बमोजिम सुविधा पाएको अवधिमा समान पदको बहालवाला प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा तलबको सुरु अङ्कमा जति रकम वृद्धि भएको छ सोही बरावरको रकम अवकाश प्राप्त प्रहरी कर्मचारीले पाउने तलब रकममा समेत वृद्धि हुनेछ ।
4. उपनियम (१)(२) (३) र (४) बमोजिम सुविधा पाएको अवकाश प्राप्त प्रहरी कर्मचारीको मृत्यु भएमा त्यस्तो सुविधा पाएको सात वर्ष नपुगे सम्म निजको परिवारले निजले पाए सरह नै सम्पूर्ण सुविधा पाउनेछ र सात वर्ष पुगे पछि नियम १३५ को उपनियम (१) र (२) बमोजिम निवृत्तिभरण पाउनेछ।
5. बहालवाला प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा समान स्तरको प्रहरी कर्मचारीको तलबको सुरु अङ्कको रकममा जति प्रतिशत वृद्धि भएको छ सोही प्रतिशतले उपनियम (३) बमोजिम अशक्त वृत्तिको रकममा समेत वृद्धि हुनेछ।
6. अशक्तवृत्ति प्रदान गर्ने प्रयोजनको लागि मन्त्रालयले अशक्तताको प्रमाणपत्र प्रदान गर्नेछ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसुची ९ को ४ अनुसार कागजातहरु पेश गर्नु पर्नेछ** । **(नियम १३४)**

**२०. असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

1. कुनै प्रहरी कर्मचारी आफ्नो कर्तव्य पालन गर्दा वा तालिम लिँदा कुनै चोटपटक लागि तत्कालै मृत्यु भएमा वा त्यसैको कारणबाट निको नहुँदै मृत्यु भएमा निजको नोकरी जतिसुकै वर्ष पुगेको भए तापनि मृतक प्रहरी कर्मचारीको परिवारको सदस्य मध्ये नियम १३३ को उपनियम (५) बमोजिमको व्यक्तिलाई त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीले खाइपाई आएको तलबको आधा पारिवारिक निवृत्तिभरण र देहाय बमोजिम असाधारण पारिवारिक उपदान समेत दिइनेछ।
	1. दश वर्षसम्मको सेवा अवधि नपुग्दै मृत्यु भएमा निजले खाइपाई आएको छ महिनाको तलब बराबरको रकम,
	2. दश वर्ष देखि बीस वर्षसम्मको सेवा अवधि पूरा गरी मृत्यु भएमा निजले खाइपाई आएको नौं महिनाको तलब बराबरको रकम
	3. बीस वर्षभन्दा बढी जतिसुकै सेवा अवधि पूरा गरी मृत्यु भएमा निजले खाइपाई आएको एक वर्षको तलब बराबरको रकम।
2. उपनियम (१) मा जुनसुकै कुरा लेखिएको भए तापनि कुनै प्रहरी कर्मचारी हतियारधारी समूहको कारबाही वा अन्य कुनै प्रकारको सशस्त्र मुठभेड वा आक्रमण वा बिस्फोटन वा हतियारधारी समूह वा त्यस्तै अन्य समूहविरुद्धको कारबाहीमा खटिएका बखत वा प्रचलित कानून बमोजिम खटिएको अवस्थामा भीर, पहरा, खोलानालामा लडी वा कुनै पनि प्रकारको हतियारको चोटबाट वा कुनै आकस्मिक दुर्घटनामा परी तत्कालै वा सोही कारणले निको नभई मृत्यु भएमा मृतक प्रहरी कर्मचारीलाई मरणोपरान्त एक तहमाथिको पदमा पदोन्नति दिई सोही पद अनुसारको पुरा तलब निजको परिवारले त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीको उमेरकोहदले अवकाश प्राप्त गर्ने अवधि ननाघ्ने गरी बढीमा सात वर्षसम्म पाउनेछ।उक्त पुरा तलब पाउने अवधि व्यतित भएपछि मृतक प्रहरी कर्मचारीको सेवा अवघि निवृत्तिभरण पाक्ने अवधि भन्दा कम भएमा निवृत्तिभरण पाकेको अवधिसरह र निवृत्तिभरण पाक्ने अवधि भन्दा बढी सेवा अवधि भएमा नियम १३१ बमोजिम हिसाव गर्दा हुन आउने रकम मृतक प्रहरी कर्मचारीको परिवारले निवृत्तिभरण पाउनेछ ।
3. यस नियम बमोजिम असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण मृतक प्रहरी कर्मचारीको पति वा पत्नी, बाबु, आमा भए आजिवन र छोरा वा विवाह नगरेकी छोरी भए एक्काइस वर्षको उमेर पुरा नगरे सम्म वा सरकारी सेवामा प्रवेश गरेको जुन अगाडि हुन्छ सो मितिसम्म पाउनेछ
4. कर्तव्यपालनाको शिलशिलामा खटिएको वा खटिने क्रममा बाटोमा आउँदाजाँदा वा अन्य कार्य गर्दा बाटोबाट वा कार्यस्थलबाट अपहरणमा परी हत्या भएको भरपर्दो सूचना प्राप्त भएको तर लास फेला पर्न नसकेको अवस्थामा सम्वन्धित प्रमुख जिल्ला अधिकारी र सम्वन्धित प्रहरी कार्यालयको प्रमुखको संयुक्त प्रतिवेदनको आधारमा हत्या गरिएका प्रहरी कर्मचारीको परिवारलाई उपनियम (१) र (२) बमोजिमको सुविधा दिइनेछ।
5. उपनियम(२) बमोजिम प्रहरी कर्मचारीको परिवारले तलब पाईरहेको अवस्थामा बहालवाला प्रहरी कर्मचारीको तलबमानमा वृद्धि भएमा प्रहरी कर्मचारीको परिवारले पाउने तलबमा समेत सोही बमोजिम वृद्धि हुनेछ ।
6. यस नियममा अन्यत्र जे सकै लेखीएको भएता पनि यो नियम बमोजिम निवृत्तिभरण पार्इरहेको प्रहरी कर्मचारीको परिवारको सदस्यले पुनः विवाह गरेमा त्यस्तो सदस्यलार्इ यो नियम बमोजिमको पारिवारिक निवृत्तिभरण उपलव्ध गरार्इने छैन।

**सुविधाका लागि अनुसुचि ९ को ५ अनुसार कागजातहरु पेश गर्नुपर्नेछ । (नियम १३५ )**

**२१. सन्तती वृत्ति र शैक्षिक वृत्ति सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

1. कुनै प्रहरी कर्मचारी प्रहरी नियमाबली २०७१ को नियम १३४ बमोजिमको अवस्था परी आजिवन काम गर्न नसक्ने गरि अशक्त भएमा त्यस्तो अशक्त प्रहरी कर्मचारीको वढीमा २ सन्ततीलाई देहायका दरले मासिक सन्तती बृत्ति दिईने छ।
2. राजपत्रांकित प्रहरी अधिकृत – २६० (दुईसय साठी रुपैया)
3. राजपत्र अनंकित प्रथम र द्वितिय श्रेणीका प्रहरी – १२४ (एकसय चोबीस रुपैया)
4. राजपत्र अनंकित तृतीय र चतुर्थ श्रेणीका प्रहरी – ११६ (एकसय सोरह रुपैया)
5. प्रहरी कार्यालय सहयोगी वा सो सरह – ११२ (एकसय बारह रुपैया)
6. कुनै प्रहरी कर्मचारीको नियम १३५ बमोजिमको अवस्था परी मृत्यु भएमा त्यस्तो मृतक प्रहरी कर्मचारीको वढीमा २ सन्ततीलाई मृतक प्रहरी कर्मचारीको बहाल रहेको पदको सुरु तलब स्केलको देहाय बमोजिमको प्रतिशतका दरले मासिक सन्ततीबृत्ति दिईने छ।

क.प्रहरी महानिरीक्षक वा प्रहरी अतिरिक्त महानिरीक्षक – ६.५ प्रतिशत

ख.प्रहरी नायव महानिरीक्षक वा प्रहरी वरिष्ठ उपरीक्षक – ८ प्रतिशत

ग.प्रहरी उपरीक्षक वा प्रहरी नायव उपरीक्षक – ९ प्रतिशत

घ.प्रहरी निरीक्षक – १० प्रतिशत

ङ.प्रहरी नायव निरीक्षक – १२ प्रतिशत

च.प्रहरी सहायक निरीक्षक – १३ प्रतिशत

छ.प्रहरी हवल्दार/प्रहरी जवान/प्रहरी कार्यालय सहयोगी – १४ प्रतिशत

1. उपनियम (१) बमोजिमको सन्ततिवृत्ति छोरा वा विवाह नगरेकी छोरी भए एक्काइस वर्षको उमेर पुरा गरेको वा सरकारी सेवामा प्रवेश गरेको जुन अगाडि हुन्छ सो मितिसम्म पाउनेछ र उपनियम (२) वमोजिमको सन्ततिवृत्ति अठार वर्षको उमेर सम्म पाउनेछ।
2. कुनै प्रहरी कर्मचारीको नियम १३४ वा १३५ बमोजिमको अवस्था परी अशक्त भएमा वा मृत्यु भएमा त्यस्तो अशक्त वा मृतक प्रहरी कर्मचारीको बढीमा दुई सन्ततिलाई तिन वर्ष देखि अठार वर्षको उमेर पूरा नभएसम्म उपनियम (१) वा (२) बमोजिमको सन्ततिवृत्तिको अतिरिक्त देहाय बमोजिमको दरले वार्षिक शैक्षिकवृत्ति समेत दिईनेछ,
3. राजपत्राङ्कित प्रहरी अधिकृत -दुई हजार चार सय रुपैयाँ
4. राजपत्र अनङ्कित प्रहरी र प्रहरी कार्यालय सहयोगी वा सो सरह -एकहजार आठ सय रुपैया
5. यस भन्दा अघि दुर्इ भन्दा बढी अधिकार पत्र बनाएकाको हकमा अब देखि निजले चाहेको कुनै दुर्इ सन्ततिलार्इ मात्रै यस बमोजिमको सुविधा प्रदान गरिने छ ।

**सुविधाका लागि अनुसुचि ९ को ६ अनुसार कागजातहरु पेश गर्नुपर्नेछ ।(नियम १३६)**

 **२२.** **समान सुविधा उपलब्ध हुने सम्बन्धी व्यवस्था**

1. सम्वत२०५२ साल फाल्गुण १ गते पछि कुनै प्रहरी कर्मचारी नियम १३४ को उपनियम (४) वा नियम १३५ को उपनियम (२) बमोजिमको अवस्था परी अशक्त भएको वा मृत्यु भएको भए त्यस्तो प्रहरी कर्मचारी वा निजको परिवारले नियम १३२, १३३, १३४, १३५ र १३६ मा उल्लिखित सुविधा सोही नियमहरुमा उल्लेख भए बमोजिम दोहोरो नहुने गरी समान रुपमा पाउनेछन ।
2. उपनियम(१) बमोजिम सुविधा उपलब्ध गराउँदा अघि प्राप्त गरेको सुविधा बापतको रकम कट्टा गरी बाँकी रकम मात्र दिनु पर्नेछ।
3. यस नियमावलीमा अन्यत्र जुनसुकै कुरा लेखिएको भएता पनि कुनै प्रहरी कर्मचारीको परिवारलाई नियम १३३ वा १३४ वा १३५ बमोजिम प्राप्त हुने पारिवारिक निवृत्तिभरण मध्ये कुनै एक पारिवारिक निवृत्तिभरण मात्र प्राप्त हुनेछ। **(नियम १३७)**

**२३. समितिको व्यवस्थाः**

1. नियम १३४ र १३५ बमोजिमको अवस्था परी कुनै प्रहरी कर्मचारी अशक्त भएमा वा निजको मृत्यु भएमा त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीको नजिकको परिवार वा सन्ततिले पाउने वृत्ति वा उपदानको सम्बन्धमा सिफारिस गर्न देहाय बमोजिमको समिति रहनेछः
2. गृह मन्त्रालयको प्रतिनिधि
3. अर्थ मन्त्रालयको प्रतिनिधि
4. नेपाल प्रहरी अस्पतालको चिकित्सक प्रतिनिधि
5. प्रहरी प्रधान कार्यालयको कर्मचारी प्रशासन शाखा प्रमुख

स्पष्टीकरणःयस नियमको प्रयोजनका लागि अशक्तताको प्रतिशत निर्धारणको आधार देहाय बमोजिम हुनेछः

1. “असी देखि सतप्रतिशत अशक्तता” भन्नाले दुवै आखा नभएको वा दुवै खुट्टा नभएको वा दुवै हात नभएको वा एक खुट्टा, एक हात नभएको वा सम्पूर्ण शरीर नचल्ने,
2. “साठी देखि उनासी प्रतिशत अशक्तता” भन्नाले कामगर्न नसक्ने गरी आंशिक शरीर नचल्ने वा एक आखा नभएको वा एक हात नभएको वा एक खुट्टा नभएको,
3. “चालीस देखि उनान्साठी प्रतिशत अशक्तता” भन्नाले असामान्य रुपमा बोली प्रष्ट नभएको वा शरीरको सम्पूर्ण हिस्सा तन्दुरुस्त देखिए तापनि लर्खराउने, धङधङाई हिडने वा प्रहरी कर्मचारी सेवामा रहि काम गर्न शारीरिक, बोली, हिडाई, चलाईले असोभनिय देखिने,
4. खण्ड (क), (ख) र (ग) मा उल्लिखित वर्गीकरण बाहेक अन्य अशक्तताको प्रतिशत निर्धारण गर्ने अधिकार नेपाल सरकारद्वारा गठित मेडिकल वोर्डमा रहनेछ।
5. प्रहरी प्रधान कार्यालयको कर्मचारी प्रशासन शाखा प्रमुखले उपनियम (१) बमोजिमको समितिको सदस्य सचिव समेतको कार्य गर्नेछ । **(नियम १३८)**

**२३(क)[[1]](#footnote-2).** **कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालय सम्बन्धी व्यवस्था**

निम्नलिखित कार्यहरु कर्मचारीले निबृत्तिभरण भुक्तानी लिइरहेको जिल्लास्थित कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयबाट हुनेछन् ।

**(१) अधिकारपत्रको प्रतिलिपि दिने:** कुनै निबृत्त प्रहरी कर्मचारीले पाइरहेको निबृत्तिभरणको अधिकारपत्रको पाना सकिइ वा उक्त अधिकारपत्र हराइ वा नासिइ प्रतिलिपि लिन चाहेमा कारण खोली अनुसुची ९ को ७ बमोजिमका कागजात सहित सम्बन्धित कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयमा निवेदन दिनुपर्नेछ । पाना सकिइ प्रतिलिपि माग गरेकोमा पुरानो अधिकारपत्र खिची पछिल्लो पटक कहिले सम्म के कति रकम भुक्तानी लिएको छ सोको जांच गरी घटि बढि भएमा हिसाव मिलान गरी सो मिति देखि पछि पाउने मासिक रकम तोकी निजको नाममा नयां अधिकारपत्र जारी गर्नुपर्नेछ । अधिकारपत्र हराइ वा नासिइ प्रतिलिपि लिनु परेको अवस्थामा उक्त अधिकारपत्रबाट भुक्तानी हुन नसक्ने गरी निबृत्तिभरण ब्यवस्थापन कार्यालयलाइ लेखी निजले पछिल्लो पटक कहिले सम्म के कति रकम भुक्तानी लिएको छ सम्बन्धित बैंकबाट स्टेटमेण्ट मगाइ सोको जांच गरी घटि बढि भएमा हिसाव मिलान गरी सो मिति देखि पछि पाउने मासिक रकम तोकी निजको नाममा नयां अधिकारपत्र जारी गर्नुपर्नेछ । यसरी प्रतिलिपि अधिकार पत्र जारी गरेपछि प्रहरी कितावखाना र निबृत्तिभरण ब्यवस्थापन कार्यालयलाइ जानकारी दिनुपर्नेछ ।

**(२) अधिकारपत्रको नामसारी गर्ने:** कुनै निबृत्त कर्मचारीको मृत्यु भएमा निजको परिवारले निबृत्तभरण अधिकारपत्रको नामसारीको लागि अनुसुची ९ को ३ बमोजिमका कागजात सहीत सम्बन्धित कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयमा निवेदन दिनुपर्नेछ । पेश भएका कागज प्रमाणको आधारमा कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयले मृतक कर्मचारीको नजिकको हकदारको नाममा उक्त अधिकारपत्रको नामसारी गरिदिइ निजको फोटो समेत प्रमाणित गरी कुन मिति देखि के कति रकम पाउने हो सो समेत निर्धारण गरिदिनु पर्छ । यसरी परिवारको नाममा नामसारी गर्दा निज कर्मचारीले निवृत्तिभरण

पाउन थालेको सात वर्ष सम्म पुरै र सात वर्ष पुगेपछि भने निजले पाइरहेको अंकको आधा रकम पाउने गरी निर्धारण गर्नुपर्नेछ । आधा रकम निर्धारण गर्दा साठी, पचहत्तर र पचासी वर्षे सुविधा पाइरहेको भए उक्त सुविधा कटाइ बांकी रकमको आधा गर्नुपर्नेछ । तर त्यस्तो पारिवारिक निवृत्तिभरण पाउने व्यक्तिको उमेर साठी,पचहत्तर र पचासी वर्ष पुगेको भए निजले पाउने निवृत्तिभरणमा पनि सुविधा थप गरिने छ ।

**(३) अधिकारपत्रमा सशोधन गर्ने:** निवृत्त कर्मचारीले पाइरहेको निवृत्तिभरण अधिकारपत्रमा तात्विक अन्तर नपर्ने सामान्य संशोधन गर्नुपर्ने भएमा निजको निवेदन पश्चात् स्थानीय तहको सिफारिस समेतको आधार लिइ कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयले संशोधन गर्न सक्नेछ । यसरी संशोधन भएमा सो को जानकारी प्रहरी कितावखाना र निवृत्तिभरण व्यवस्थापन कार्यालयलाइ दिनुपर्नेछ ।

**(४) निबृत्तिभरणको रकममा थप गर्ने:**

(क)प्रहरी हवल्दार र सो भन्दा मुनीका निवृत्तिभरण पाइरहेका व्यक्तिको उमेर साठी वर्ष पूरा भएपछि निजहरुले पाइरहेको निबृत्तिभरणको अंकमा तीस प्रतिशतले थप गरी भुक्तानी गरिनेछ ।

(ख) निवृत्तिभरण प्राप्त गरिरहेको प्रहरी कर्मचारीको उमेर पचहत्तर वर्ष पूरा भएपछि निजहरुले पाइरहेको निबृत्तिभरणको अंकमा उपचार खर्च वापत दश प्रतिशतले थप गरी भुक्तानी गरिनेछ ।

(ग) निवृत्तिभरण प्राप्त गरिरहेको प्रहरी कर्मचारीको उमेर पचासी वर्ष पूरा भएपछि निजहरुले पाइरहेको निबृत्तिभरणको अंकमा अति वृद्ध भत्ता वापत दश प्रतिशतले थप गरी भुक्तानी गरिनेछ ।

**(५) तलवी प्रतिवेदन पारित गर्ने:** आफ्नो जिल्ला भित्र कार्यरत कर्मचारीको तलबी प्रतिवेदन कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयबाट पारित हुनेछ । सो को लागि दिग्दर्शनको दफा ११ बमोजिमको प्रकृया पूरा गर्नुपर्नेछ ।

**(६) ग्रेड/स्केल मिलान गर्ने:** माथिल्लो तलबमानको कुनै पदमा बढुवा पाउने कर्मचारीले उक्त तलबमानमा तोकिएको शुरु तलब पाउनेछ । तर निजले हाल पाइरहेको तलब उक्त माथिल्लो तलबमानको न्यूनतम तलब बराबर वा सो भन्दा अधिक भएमा उक्त माथिल्लो तलबमानमा निजको तलब तोक्दा देहाय बमोजिम तोकी ग्रेड/स्केल मिलान गरिनेछ ।

(क) निजले हाल पाइरहेको तलब माथिल्लो तलबमानको शुरु तलब बराबर मात्र भएमा सो तलबमा एक तलब बृद्धी थप गरी तोकिनेछ ।

(ख) साविक पदमा पाइरहेको तलब बढुवा भएको पदको शुरु तलब भन्दा बढी भएको अवस्थामा माथिल्लो पदको तलब तोक्दा हाल पाइआएको तलबमा नपुग सम्मको तलब बृद्धी थप गरी तोकिनेछ ।

**(७) फोटो तथा दस्तखत प्रमाणित गर्ने:** निबृत्तिभरण तथा उपादान सम्बन्धी कुनै कार्यमा प्रहरी कितावखानाबाट कुनै कागजात वा कसैको फोटो वा दस्तखत प्रमाणित गर्न लेखी आएमा बुझी कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयबाट प्रमाणित गरी पठाउनु पर्नेछ ।

**परिच्छेद ५**

**सशस्त्र प्रहरी बल सम्बन्धी ब्यवस्था**

(सशस्त्र प्रहरी नियमावली २०७२ मा भएको व्यबस्था)

**२४. अनिबार्य अबकाश सम्बन्धी ब्यवस्था**

१.देहायका सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले देहाय बमोजिमको कुनै एक मध्ये जुन पहिले हुन्छ सोही आधारमा सशस्त्र प्रहरी सेवाबाट अनिवार्य अवकाश पाउनेछ ।

 क. सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको सेवा अवधी ३० बर्ष पुरा भएमा ।

 ख. देहायको पदमा बहाल रहेको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको देहाय बमोजिम उमेर पुरा भएमाः-

१. सशस्त्र प्रहरी महानिरीक्षक - ५८ वर्ष

२. सशस्त्र प्रहरी अतिरिक्त महानिरीक्षक र सशस्त्र प्रहरी नायव महानिरीक्षक - ५६ वर्ष

३. सशस्त्र प्रहरी वरिष्ठ उपरिक्षक र सशस्त्र प्रहरी उपरिक्षक - ५५ वर्ष

४. सशस्त्र प्रहरी नायव उपरिक्षक - ५४ वर्ष

५. सशस्त्र प्रहरी निरीक्षक - ५३ वर्ष

६. सशस्त्र प्रहरी वरिष्ठ नायव निरीक्षक र सशस्त्र प्रहरी नायव निरीक्षक - ५२ वर्ष

७. सशस्त्र प्रहरी सहायक निरीक्षक - ५१ वर्ष

८. सशस्त्र प्रहरी वरिष्ठ हवल्दार, सशस्त्र प्रहरी हवल्दार, सशस्त्र प्रहरी

 सहायक हवल्दार र सशस्त्र प्रहरी जवान - ५० वर्ष

९. सशस्त्र प्रहरी परिचर वा सो सरह - ५५ वर्ष

 ग) देहायको पदमा वहाल रहेको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी त्यस्तो पदमा देहायको अवधिसम्म वहाल रहेमाः-

१. सशस्त्र प्रहरी महानिरीक्षक - चार वर्ष

२. सशस्त्र प्रहरी अतिरिक्त महानिरीक्षक र सशस्त्र प्रहरी नायव महानिरीक्षक - चार वर्ष

३. सशस्त्र प्रहरी वरिष्ठ उपरिक्षक - सात वर्ष

४. सशस्त्र प्रहरी उपरिक्षक - दश वर्ष

(२) सम्वत २०६५ साल चैत्र ३१ गते भन्दा अघिदेखी सशस्त्र प्रहरी सेवामा बहाल रहेको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले उपनियम (१) को खण्ड (क) बमोजिम सेवा अवधि पुरा भएका कारण अवकाश प्राप्त गरेमा सोही उपनियमको खण्ड (ख) बमोजिम अवकाश प्राप्त गर्न जति उमेर बाँकी छ, सो अवधी समेत निजले गरेको नोकरी अवधीमा थप गरी निजले पाउने निवृत्तिभरणको हिसाव गरिनेछ ।**(नियम ६५)**

(३)नियम ५२ (१) बमोजिम बढुवा भएका सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको हकमा बढुवा भएको पदको उमेर थप गरि निवृत्तिभरण हिसाव गरिनेछ ।

**२५. उपदान सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

1. उपदान अंक किटान गर्ने सम्बन्धमा देहाय बमोजिम हुनेछः-
* पाँच बर्ष वा सो भन्दा बढी सेवा गरेको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले निबृत्तिभरण पाउने सेवा अवधि नपुग्दै सेवाबाट अवकाश पाएमा वा राजीनामा स्वीकृत गरी पदबाट अलग भएमा निम्नानुसार उपदान पाउने छ ।
* ५ बर्ष देखी १० बर्ष सम्म पुरा गरेको हकमा सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी आधा महिनाको तलव
* १०बर्ष देखी १५ बर्ष सम्म पुरा गरेको हकमा सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी एक महिनाको तलव
* १५ बर्ष भन्दा बढी तर निवृत्तिभरण पाउने अवधि नपुगेका सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी डेढ महिनाको तलव
1. सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले सेवा पाउने वा सो सेवामा बहाल रहने उद्येश्यले नागरिकता वा उमेर वा योग्यता ढाँटेको प्रमाणित हुन आएमा त्यस्तो सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीलाई उपदान दिईने छैन ।

**उल्लेखित सुविधाको लागि आवश्यक अनुसूची ९ को १ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम ६९)**

**२६. निवृत्तिभरण सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

1. २० बर्ष वा सो भन्दा बढी समय सम्म सशस्त्र प्रहरी सेवामा काम गरेका सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले नोकरीबाट अवकाश पाएको मिति देखि निवृत्तिभरण पाउने छ ।

तर मिति २०६०/१२/२६ अगावै नियुक्ति भएको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले देहाय बमोजिम वा सो भन्दा बढी अवधि सम्म सशस्त्र प्रहरी सेवामा काम गरी नोकरीबाट अवकाश भएमा निवृत्तिभरण पाउने छ ।

क) सशस्त्र प्रहरी सहायक निरीक्षक देखी सशस्त्र प्रहरी वरिष्ठ नायव निरीक्षक सम्म -१८बर्ष
ख) सशस्त्र प्रहरी जवानदेखी सशस्त्र प्रहरी वरिष्ठ हवल्दार सम्म -१६बर्ष

1. उपनियम (१) बमोजिम दिइने निवृत्तिभरणको हिसाब देहाय बमोजिम हुनेछः-
2. राजपत्राङ्कित सशस्त्र प्रहरी अधिकृतको निमित्तः-

जम्मा नोकरी वर्ष x आखिरी तलब

 ५०

1. राजपत्राअनङ्कित र श्रेणी विहिन सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीहरुको निमित्तः-

 जम्मा नोकरी वर्ष x आखिरी तलब

 ४०

1. उपनियम (२) मा जुनसुकै कुरा देखिएको भए तापनि निवृत्तिभरणको न्यूनतम रकम समान पदको बहालवाला सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको तलब स्केलको शुरु अङ्कको आधाभन्दा कम र अधिकतम रकम समान पदको बहालवाला सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको तलबको शुरु स्केलभन्दा बढी हुने छैन ।
2. भविष्यमा सरकारी सेवाको निमित्त अयोग्य ठहरिने गरी सेवाबाट वर्खास्त गरिएको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले यस नियमावली बमोजिमको निवृत्तिभरण पाउने छैन ।
3. बहालवाला सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा तलबस्केलको शुरु अङ्कमा जति वृद्धि भएको छ¸ त्यसको दुई तिहाइ रकम समान पदका निवृत्त सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको निवृत्तिभरण रकममा पनि थप गरिनेछ ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि आबश्यक अनुसूची ९ को २ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम ७०)**

**२७. पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदानः**

१.कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको सेवामा छँदै वा निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै मृत्यु भएमा निजको परिवारलाई वा निजको नाबालक भाई वा अविवाहिता दिदि बहिनीलाई नियम ६९ र ७० मा लेखिए बमोजिम उपदान वा निवृत्तिभरण प्राप्त हुनेछ ।

तर निवृत्तिभरणको हकमा यस्तो निवृत्तिभरण सात वर्षभन्दा बढी समय प्राप्त हुने छैन। निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै मृत्यु भएको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको परिवार वा नाबालक भाई वा अविवाहित दिदि बहीनीलाई सात वर्ष पुगेपछि निवृत्तिभरण प्राप्त हुनै छैन ।

२.उपनियम (१) मा जुनसुकै कुरा लेखिएको भए तापनि निवृत्तिभरण पाउने व्यक्ति नाबालक रहेछ भने निज अठार वर्षको उमेर नभएसम्म त्यस्तो निवृत्तिभरण पाउनेछ ।

३.सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको विधुर पति वा विधवा पत्नीले निजको पति वा पत्नी सेवामा छदै वा निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै मृत्यु भर्इ उपनियम (१) बमोजिम पारिवारिक निवृत्तिभरण पाउने भएमा सो निवृत्तिभरण अवधि भुक्तान भएको मितिदेखि र त्यस्तो निवृत्तिभरण नपाउने भएमा वा निजको पति वा पत्नीले निवृत्तिभरण पाउने थालेको सात वर्ष व्यतित भईसकेपछि मृत्यु भएकोमा निजको मृत्यू भएको मिति देखी जीवनभर निजले पाउने निवृत्तिभरणको आधा रकम पाउनेछ ।

तर पारिवारिक निवृत्तिभरण पाईरहेको विधुर पति वा विधवा पत्नीको मृत्यु भएमा वा निजले अर्को विवाह गरेमा त्यस्तो सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको नावालिक सन्तानले १८ बर्ष पुरा नभएसम्म त्यस्तो निवृत्तिभरणको रकम पाउनेछ ।

४.बहालवाला सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा तलबको सुरु अङ्कमा जति वृद्धि भएको छ त्यसको दुई तिहाई रकम उपनियम (१) (२) र (३) अनुसार पारिवारिक निवृत्तिभरण पाईरहेका व्यक्तिले खाईपाई आएको पारिवारिक निवृत्तिभरण रकममा पनि थप गरिनेछ ।

५.कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको यस नियमावली बमोजिम पाउने कुनै रकम लिन नपाउदै मृत्यु भएमा सो रकम निजको परिवारको सदस्यहरु मध्ये यस नियमावली बमोजिम निजको निवृत्तिभरण वा उपदान पाउने ठहरिएको व्यक्तिले लिन पाउनेछ ।

६.निवृत्तिभरण वा उपदान दिँदा मृतक सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले आफ्नो परिवारका सदस्य मध्येमा वा नाबालक भाइ वा अविवाहित दिदि वहिनीलाई इच्छाएको रहेछ भने सो व्यक्तिलाइ र कुनै कारणले सो व्यक्तिले पाउन नसक्ने अवस्था भएमा वा कसैलाइ पनि इच्छाएको नभए सो रकम निजको परिवारको सदस्य मध्ये नेपाल सरकारले उचित ठहर्‍यएको व्यक्तिलाई दिईनेछ ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ३ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम ७४)**

**२८. अशक्त वृत्ति**

1. कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी आफ्नो पदको कर्तव्य पालन गर्दा वा तालीमको सिलसिलामा दुर्घटनामा परी वा आघातमा परी अङ्गभङ्ग भई वा चोटपटक लागि शारीरिक व मानसिक रुपमा सशस्त्र प्रहरी सेवामा वहाल रहन अशक्त भएमा त्यस्तो सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले निजको जीविकाको निमित्त असक्त अवकाश पाएको मिति देखि बाँचुन्जेलसम्म अशक्तवृत्तिको रुपमा उपनियम (२) मा लेखिए बमोजिम निवृत्तिभरण सहित उपनियम (३) मा लेखिए बमोजिमको अशक्त भत्ता पाउनेछ ।

स्पष्टीकरणः- यस उपनियमको प्रयोजनका लागि मानसिक रुपमा ‟अशक्त” भन्नाले नेपाल सरकारले गठन गरेको चिकित्सकको बोर्डबाट शारिरिक वा मानसिक रुपमा अशक्त भई सशस्त्र प्रहरी सेवामा काम काज गर्न असक्षम भनी सिफारीस गरेको व्यक्ति सम्झनु पर्छ ।

1. उपनियम (१) बमोजिम अशक्त भएको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको सेवा अवधि निवृत्तिभरण पाउने अवधी पुगेको भए निजले तत्काल खाईपाई आएको (कायम मुकायम वा निमित्त भई काम गरेको भए सो को समेत) तलबले नियम ७० को उपनियम (२)बमोजिम हिसाब गरी हुन आउने रकम बराबर अशक्त निवृत्तिभरण पाउने छ ।त्यस्तो अशक्त सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको सेवा अवधि निवृत्तिभरण पाउने अवधि भन्दा घटी भएमा यस नियमावली बमोजिम निवृत्तिभरण पाउने वर्ष पुर्याउन नपुग प्रत्येक पूरा वा चानचुन वर्षको निमित्त दामासाहीबाट कट्टी गरी बाँकी हुन आउने रकम निवृत्तिभरण वापत पाउनेछ । यसरी कट्टी गर्दा एक तिहाईभन्दा बढी रकम कट्टी गरिने छैन ।
2. सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले अशक्तता बापत उपनियम (२) बमोजिम पाउने अशक्त निवृत्तिभरणको अतिरिक्त थप पाउने मासिक अशक्त भत्ताको रकम निजले खाईपाई आएको तलबको बिस प्रतिशत बराबर हुनेछ ।साथै नियम ८० को स्पष्टीकरण खण्डको देहाय (क)मा लेखिए बमोजिमको अशक्त सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको हकमा निजको जीवनभर निजले खाइपाई आएको अशक्त भत्ताको बीस प्रतिशत रकम कुरुवा खर्चको रुपमा थप सुविधा समेत दिईने छ।

तर अशक्तवृत्ति पाएका वा पाउने ठहरिएका सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले पछि कुनै सेवामा पुनः प्रवेश पाएमा यसरी प्रवेश पाएको मिति देखि निजले यस नियम बमोजिमको अशक्तवृत्ति पाउने छैन।

1. उपनियम (१) मा जुनसुकै कुरा लेखिएको भए तापनि कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी हतियारधारी समूहको कारवाही वा कुनै प्रकारको सशस्त्र मुठभेड वा आक्रमण बिस्फोटन वा हतियारधारी समूह वा त्यस्तै अन्य समूह विरुद्धको कारवाहीमा खटिएका बखत कुनै आकस्मिक दुर्घटना परी वा कुनै प्रकारको हतियारको चोटबाट सशस्त्र प्रहरी सेवाको निमित्त काम गर्न असक्त भएमा त्यस्तो सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीलाई माथिल्लो पदमा बढुवा गरी सेवाबाट अवकाश दिईनेछ र निजले उमेरको हदले अवकास प्राप्त गर्ने अवधि ननाध्ने गरी बढीमा सात बर्ष सम्म खाईपाई आएको पूरा तलब पाउनेछ ।त्यसरी पूरा तलब पाउने अवधि व्यतित भए पछि निवृत्तिभरण पाउने अवधि भन्दा कम सेवा अवधि भएको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले निवृत्तिभरण पाएको अवधि सरह र निवृत्तिभरण पाउने अवधिभन्दा बढी सेवा अवधि भएको प्रहरी कर्मचारीले नियम ७० बमोजिम हिसाव गर्दा हुन आउने रकम निवृत्तिभरण पाउनेछ ।
2. उपनियम (१) वा (४) बमोजिम चोटपटक लाग्न गर्इ उपचार गराउँदा लाग्ने खर्चको पूरा रकम सम्बन्धित सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले पाउनेछ र यस्तो उपचार खर्च दिँदा नियम ८३ को उपनियम (१) बमोजिम पाउने उपचार खर्चमा कट्टा गरिने छैन ।
3. बहालवाला सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा समान स्तरको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको तलबको सुरु अङ्कको रकममा जति प्रतिशतले वृद्धि भएको छ सोही प्रतिशतले उपनियम (३) बमोजिमको अशक्त वृत्तिको रकममा समेत वृद्धि हुनेछ ।
4. उपनियम(४) बमोजिम सुविधा पाएको अवधिमा समान पदको बहालवाला सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा तलबको सुरु अङ्कमा जति रकम वृद्धि भएको छ सोही बरावरको रकम अवकाश प्राप्त सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले पाउने तलब रकममा समेत वृद्धि हुनेछ ।
5. उपनियम (१)(२) (३) र (४) बमोजिम सुविधा पाएको अवकाश प्राप्त सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको मृत्यु भएमा त्यस्तो सुविधा पाएको सात वर्ष नपुगे सम्म निजको परिवारले निजले पाए सरह नै सम्पूर्ण सुविधा पाउनेछ र सात वर्ष पुगे पछि देहाय बमोजिम निवृत्तिभरण पाउनेछ ।

क) उपनियम(१) बमोजिमको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी भए नियम ७६ को उपनियम (१) बमोजिम¸

ख) उपनियम (४) बमोजिमको सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी भए नियम ७६ को उपनियम (२) बमोजिम¸

1. अशक्तवृत्ति प्रदान गर्ने प्रयोजनको लागि मन्त्रालयले अशक्तताको प्रमाणपत्र प्रदान गर्नेछ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ४ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम ७५ )**

**२९. असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदानः**

1. कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको कर्तव्य पालन गर्दा वा तालीम लिँदा अस्वस्थ भई वा कुनै दुर्घटनामा परी वा चोटपटक लागि तत्कालै मृत्यु भएमा वा त्यसैको कारणबाट निको नहुँदै मृत्यु भएमा निजको नोकरी अवधि जतिसुकै वर्ष पुगेको भए तापनि निजको परिवारको सदस्य नियम ७४ को उपनियम (५) बमोजिमको व्यक्तिलाई त्यस्तो सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीले खाइपाई आएको तलबको आधा रकम असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र देहाय बमोजिम असाधारण पारिवारिक उपदान समेत दिइनेछ।
2. दश वर्षसम्मको सेवा अवधि नपुग्दै मृत्यु भएमा निजले खाइपाई आएको छ महिनाको तलब बराबरको रकम,
3. दश वर्ष देखि बीस वर्षसम्मको सेवा अवधि पूरा गरी मृत्यु भएमा निजले खाइपाई आएको नौं महिनाको तलब बराबरको रकम,
4. बीस वर्षभन्दा बढी जतिसुकै सेवा अवधि पूरा गरी मृत्यु भएमा निजले खाइपाई आएको एक वर्षको तलब बराबरको रकम।
5. उपनियम (१) मा जुनसुकै कुरा लेखिएको भए तापनि कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी हतियारधारी समूहको कारबाही वा अन्य कुनै प्रकारको सशस्त्र मुठभेड वा आक्रमण वा बिस्फोटन वा हतियारधारी समूह वा त्यस्तै अन्य समूह विरुद्धको कारबाहीमा खटिएका बखत कुनै आकस्मिक दुर्घटनामा परी तत्कालै वा सोही कारणले निको नभई मृत्यु भएमा मृतक सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीलाइ मरणोपरान्त माथिल्लो पदमा वढुवा गरी सोही पद अनुसारको पुरा तलब निजको परिवारलाइ त्यस्तो सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको उमेरको हदले अवकाश प्राप्त गर्ने अवधि ननाघ्ने गरी बढीमा सात वर्षसम्म दिईनेछ। यसरी पुरा तलब पाउने अवधि व्यतित भएपछि मृतक सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको सेवा अवधि निवृत्तिभरण पाक्ने अवधि भन्दा कम भएमा निवृत्तिभरण पाकेको अवधि सरह र निवृत्तिभरण पाक्ने अवधि भन्दा बढी भएमा नियम ७० बमोजिम हिसाव गर्दा हुन आउने रकम मृतक सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको परिवारले निवृत्तिभरण पाउनेछ।
6. उपनियम(२) बमोजिम सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको परिवारले तलव पाईरहेको अवस्थामा वहालवाला सशस्त्र प्रहरी कमर्चारीको तलवमानमा वृद्धि भएमा सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको परिवारले पाउने तलवमा समेत सोही बमोजिम वृद्धि हुनेछ ।
7. यस नियम बमोजिम असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र र उपदान मृतक सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको पति वा पत्नी, बाबु, आमा भए आजिवन र छोरा वा छोरी भए एक्काइस वर्षको उमेर पुरा गरेको वा विवाह वा सरकारी सेवामा प्रवेश गरेको जुन अगाडि हुन्छ सो मितिसम्म पाउनेछ ।
8. कर्तव्य पालनाको शिलशिलामा खटिएको वा खटिने क्रममा बाटोमा आउँदा जाँदा वा अन्य कार्य गर्दा बाटोबाट वा कार्यस्थलबाट अपहरणमा परी हत्या भएको सूचना प्राप्त भएको तर लास फेला पर्न नसकेको अवस्थामा सम्वन्धित प्रमुख जिल्ला अधिकारी र सम्वन्धित सशस्त्र प्रहरी कार्यालयको प्रमुखको संयुक्त प्रतिवेदनको आधारमा त्यस्तो सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको परिवारलाई उपनियम (२) बमोजिमको सुविधा दिइनेछ।
9. अमर सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको पति वा पत्नीको पारिवारिक निवृत्तिभरण उपभोग गर्दा गर्दै मृत्यु भएमा निजले खाईपाई आएको पारिवारिक निवृत्तिभरण निजको छोरा छोरी भएमा जती जना छोरा छोरीहरु छन सबैले दामासाहीले भाग गरी उमेर २१ बर्ष पूरा नभएसम्म पाउने र १ जनाको उमेर २१ बर्ष पुरा भएपछि निजले पाउदै आएको निवृत्तिभरण क्रमशः पछिको भाई/वहिनिहरुमा थपिदै जानेछ ।
10. यस नियममा अन्यत्र जे सकै लेखीएको भएता पनि यो नियम बमोजिम निवृत्तिभरण पार्इरहेको प्रहरी कर्मचारीको परिवारको सदस्यले पुनः विवाह गरेमा त्यस्तो सदस्यलार्इ यो नियम बमोजिमको पारिवारिक निवृत्तिभरण उपलव्ध गरार्इने छैन।

 **उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ५ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम ७६)**

**३०. सन्तती वृत्ति र शैक्षिक वृत्ति सम्बन्धी व्यवस्था**

१.कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी नियम ७५ बमोजिमको अवस्था परी आजिवन काम गर्न नसक्ने गरी अशक्त भएमा त्यस्तो अशक्त सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको बढीमा २ सन्ततीलाई देहायको दरले मासीक सन्तती वृत्ति दिईनेछ ।

1. राजपत्रांकित सशस्त्र प्रहरी अधिकृत –२६० (दुईसय साठी रुपैया)
2. राजपत्र अनंकित प्रथम र व्दितीय श्रेणीका सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी – १२४ (एकसय चौबीस रुपैया)
3. राजपत्र अनंकित तृतीय र चतुर्थ श्रेणीका सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी – ११६ (एकसय सोह्र रुपैया)
4. श्रेणीविहीन सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी – ११२ (एकसय बाह्र रुपैया)

२. कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको नियम ७६ बमोजिमको अवस्था परी मृत्यु भएमा त्यस्तो मृतक सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको वढीमा २ सन्ततीलाई मृतक सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको बहाल रहेको पदको सुरु तलब स्केलको देहाय बमोजिमको प्रतिशतका दरले मासिक सन्ततीबृत्ति दिईने छ।

1. सशस्त्र प्रहरी महानिरीक्षक वा सशस्त्र प्रहरी अतिरिक्त महानिरीक्षक -६.५ प्रतिशत
2. सशस्त्र प्रहरी नायव महानिरीक्षक वा सशस्त्र प्रहरी वरिष्ठ उपरीक्षक -८
3. सशस्त्र प्रहरी उपरीक्षक वा प्रहरी नायव उपरीक्षक -९
4. सशस्त्र प्रहरी निरीक्षक -१०
5. सशस्त्र प्रहरी वरिष्ठ नायव निरीक्षक -१२
6. सशस्त्र प्रहरी नायव निरीक्षक वा सशस्त्र प्रहरी सहायक निरीक्षक -१३
7. सशस्त्र वरिष्ठ प्रहरी हवल्दार/सशस्त्र प्रहरी हवल्दार/सशस्त्र सहायक प्रहरी हवल्दार/ सशस्त्र प्रहरी जवान/ सशस्त्र प्रहरी परिचर -१४

३. उपनियम (१) वा (२) बमोजिमको वृत्ति त्यस्तो सन्तती भए एक्काइस वर्षको उमेर पुरा गरेको वा विवाह वा सरकारी सेवामा प्रवेश गरेको जुन अगाडि हुन्छ सो मितिसम्म पाउनेछ।

४. कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको नियम ७५ वा ७६ बमोजिमको अवस्थामा परी अशक्त भएमा वा मृत्यु भएमा त्यस्तो अशक्त वा मृतक सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको बढीमा दुई सन्ततिलाई तिन वर्ष देखि एक्काईस वर्षको उमेर पूरा नभएसम्म उपनियम (१) वा (२) बमोजिमको सन्ततिवृत्तिको अतिरिक्त देहाय बमोजिमको दरले वार्षिक शैक्षिकवृत्ति समेत दिईनेछ,

1. राजपत्राङ्कित सशस्त्र प्रहरी अधिकृत- दुई हजार चार सय रुपैयाँ
2. राजपत्रअनङ्कित र श्रेणी विहिन सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी- एकहजार आठ सय रुपैया

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ६ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम ७७)**

**३१. समान सुविधा उपलब्ध हुने सम्बन्धी व्यवस्था**

यो नियमावली प्रारम्भ हुनुभन्दा अघि कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी नियम ७५ वा ७६ बमोजिमको अवस्था परी अशक्त भएको वा मृत्यू भएको भए त्यस्तो सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी वा निजको परिवारले नियम ७५¸ ७६ र ७७ मा उल्लेखित सुविधा यो नियम प्रारम्भ भएपछि दोहोरो नहुने गरी समान रुपमा पाउनेछन । **(नियम ७८) ।**

**३२. कुनै एक पारिवारिक निवृत्तिभरण मात्र प्राप्त हुने सम्वन्धी व्यवस्थाः-**

 यस नियमावलीमा अन्यत्र जुनसकै कुरा लेखिएको भए तापनि कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको परिवारलाई नियम ७४ वा ७५ वा ७६ बमोजिम प्राप्त हुने पारिवारिक निवृत्तिभरण मध्ये कुनै एक पारिवारिक निवृत्तिभरण मात्र प्राप्त हुनेछ । **(नियम ७९)**

**३३.समितिको व्यवस्थाः**

नियम ७५ र ७६ बमोजिमको अवस्था परी कुनै सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी अशक्त भएमा वा निजको मृत्यु भएमा त्यस्तो सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको परिवारको नजिकको व्यक्ति वा सन्ततिले पाउने वृत्ति वा उपदानको सम्बन्धमा सिफारिस गर्न देहाय बमोजिमको समिति रहनेछः-

क. राजपत्राङ्कित सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको हकमा

* 1. प्रतिनिधि गृह मन्त्रालय - अध्यक्ष
	2. प्रतिनिधि अर्थ मन्त्रालय - सदस्य
	3. प्रतिनिधि प्रधान कार्यालय - सदस्य
	4. चिकित्सक प्रतिनिधी नेपाल ए.पि.एफ. अस्पताल -सदस्य

ख. काठमाण्डौ उपत्यकामा कार्यरत राजपत्रअनङ्कित र श्रेणीविहिन सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको हकमा

1. काठमाण्डौ जिल्लाका प्रमुख जिल्ला अधिकारी -अध्यक्ष
2. प्रतिनिधि मध्यमाञ्चल क्षेत्रिय कोष निर्देशनालय -सदस्य
3. प्रतिनिधि प्रधान कार्यालय -सदस्य
4. चिकित्सक प्रतिनिधी नेपाल ए.पि.एफ. अस्पताल -सदस्य

ग. काठमाण्डौ उपत्यका बाहिर कार्यरत राजपत्रअनङ्कित र श्रेणीविहिन सशस्त्र प्रहरी कर्मचारीको हकमा

1. सम्वन्धित जिल्लाका प्रमुख जिल्ला अधिकारी -अध्यक्ष
2. सम्वन्धित जिल्लाको कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयको प्रमुखप्रतिनिधि -सदस्य
3. सम्बन्धित सशस्त्र प्रहरी कर्मचारी वहाल रहेको कार्यालयको प्रमुख वा

निजले तोकेको प्रतिनिधी -सदस्य

1. सम्वन्धित जिल्लाको अस्पताल वा स्वास्थ्य केन्द्रको चिकित्सक प्रतिनिधि -सदस्य

स्पष्टीकरणःयस नियमको प्रयोजनका लागि अशक्तताको प्रतिशत निर्धारणको आधार देहाय बमोजिम हुनेछः-

1. “असी देखि सतप्रतिशत अशक्तता” भन्नाले दुवै आखा नभएको वा दुवै खुट्टा नभएको वा दुवै हात नभएको वा एक खुट्टा र एक हात नभएको वा सम्पूर्ण शरीर नचल्ने,
2. “साठी देखि उनासी प्रतिशत अशक्तता” भन्नाले काम गर्न नसक्ने गरी आंशिक शरीर नचल्ने वा एक आखा नभएको वा एक हात नभएको वा एक खुट्टा नभएको,
3. “चालीस देखि उनान्साठी प्रतिशतअशक्तता” भन्नाले असामान्य रुपमा बोली प्रष्ट नभएको वा शरीरको सम्पूर्ण हिस्सा तन्दुरुस्त देखिए तापनि लर्खराउने, धङधङाई हिडने र सशस्त्र प्रहरी सेवामा रहि काम गर्न शारीरिक, बोली, हिडाई, चलाईले असोभनिय देखिने,
4. खण्ड (क), (ख) र (ग) मा उल्लेखित वर्गिकरण बाहेक अन्य अशक्तताको प्रतिशत निर्धारण गर्ने अधिकार नेपाल सरकारद्धारा गठित चिकित्सकको वोर्डमा रहेनछ । **(नियम ८० )**

**परिच्छेद ६**

**राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग सम्बन्धी ब्यवस्था**

(विशेष सेवा नियमावली २०४४ मा भएको व्यबस्था)

**३४. अनिवार्य अवकाश सम्बन्धी व्यवस्था**

१.देहायका कर्मचारीहरुको देहाय बमोजिमको उमेर पुगेपछि वा निजको सेवा अवधी ३० बर्ष पुरा भएपछी निजलाइ सरकारी सेवाबाट अवकाश दिइनेछः-

क) मुख्य अनुसन्धान निर्देशक/अतिरिक्त मुख्य अनुसन्धान

 निर्देशक तथा अनुसन्धान निर्देशक -५८ बर्ष

ख) सह अनुसन्धान निर्देशक र उप अनुसन्धान निर्देशक -५६ बर्ष

ग) प्रमुख अनुसन्धान अधिकृत र अनुसन्धान अधिकृत -५४ बर्ष

घ) वरिष्ठ अनुसन्धान सहायक र अनुसन्धान सहायक - ५२ बर्ष

ङ्) सूचक र सहायक सूचक - ४८ बर्ष

च) परिचर र कुचिकार - ५८ बर्ष

२.देहायका पदमा देहाका अवधिसम्म बहाल रहेको कर्मचारीले सो अवधी भुक्तान गरेपछि अवकाश लिनेछनः-

क) मुख्य अनुसन्धान निर्देशक -४ बर्ष

ख) अतिरिक्त मुख्य अनुसन्धान निर्देशक तथा अनुसन्धान निर्देशक -५ बर्ष

ग) सह अनुसन्धान निर्देशक -६ बर्ष

घ) उप अनुसन्धान निर्देशक - १० बर्ष

३. उमेरको हद¸ पदको अवधि वा सेवा अवधी मध्य कुनै एक पुगेपछि कर्मचारीले सरकारी सेवाबाट अवकाश पाउनेछ।

४. यो नियम प्रारम्भ हुदाँ सेवामा बहाल रहेको कर्मचारीले उपनियम (१) बमोजिम अवकाश प्राप्त गर्दा प्रचलित नेपाल विशेष सेवा नियमावली बमोजिम अवकाश प्राप्त गर्न जति उमेर बाँकी रहेको छ सो अवधी समेत निजले गरेको जम्मा नोकरी अवधीमा थपी निजले पाउने निवृत्तिभरणको हिसाव गरिनेछ । **(नियम १३.१)**

**३५. उपदान सम्वन्धी व्यवस्था**

१. पाँच बर्ष वा सो भन्दा बढी नोकरी गरेको निबृत्तिभरण पाउने सेवा अवधि नपुग्दै कर्मचारी सेवाबाट अवकाश पाएमा वा राजीनामा स्वीकृत गरी पदबाट अलग भएमा निम्नानुसार उपदान पाउने छ ।

* 1. सेवा अवधि ५ बर्ष देखी १० बर्ष सम्म पुरा गरेको हकमा कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी आधा महिनाको तलव ।
	2. सेवा अवधि १० बर्ष देखी १५ बर्ष सम्म पुरा गरेको हकमा कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी एक महिनाको तलव ।
	3. सेवा अवधि १५ बर्ष भन्दा बढी तर निवृत्तिभरण पाउने अवधि नपुगेकाको कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी डेढ महिनाको तलव ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को १ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम १३.३)**

**३६. निवृत्तिभरण सम्वन्धी व्यवस्थाः**

1. देहायका कर्मचारीले देहाय बमोजिमको अवधिसम्म नोकरी गरेपछि मासिक निवृत्तिभरण पाउनेछ ।

क. राजपत्राङ्कित पदका अधिकृत -२० बर्ष

ख. वरिष्ठ अनुसन्धान सहायक र अनुसन्धान सहायक -१८ बर्ष

ग. सूचक र सहायक सूचक -१६ बर्ष

घ. परिचर/कुचिकार -२० बर्ष

तर सम्वत २०५८ श्रावण १ गते पछि सेवामा प्रवेश गर्ने सबै तहका कर्मचारीले २० वर्ष सेवा अवधि पुरा गरेपछि मात्र निवृत्तिभरण पाउनेछन् ।

1. निवृत्तिभरणको हिसाव देहाय बमोजिम हुनेछ-

क) अनुसन्धान अधिकृतदेखी मुख्य अनुसन्धान निर्देशक सम्मको निमीत्त

जम्मा नोकरी वर्ष xआखिरी तलब

 ५०

ख) वरिष्ठ अनुसन्धान सहायक र सोभन्दा मुनिका सेवाका कर्मचारीको निमित्तः-

 जम्मा नोकरी वर्ष x आखिरी तलब

 ४०

 सूचक र सो भन्दा मुनिका निवृत्तिभरण पाएका व्यक्तिको उमेर ६० बर्ष पुरा भएपछि निजहरुले पाईरहेको अङ्कमा ३० प्रतिशत थप गरिनेछ ।

३. ४ बर्ष भन्दा बढी अवधी सम्म मुख्य अनुसन्धान निर्देशकको पदमा काम गरेको कर्मचारीलाइ उपनियम (२)मा उल्लेखित मासिक निवृत्तिभरणको अतिरिक्त सो पदमा ४ बर्ष भन्दा बढी काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त रु ५०/- को दरले थप मासिक निवृत्तिभरण दिईनेछ ।

४. भविष्यमा सरकारी सेवाको निमित्त सामान्यत अयोग्य ठहरिने गरी नोकरीबाट वर्खास्त गरेको कर्मचारीले यस नियमावली बमोजिम निवृत्तीभरण पाउनेछैन ।

५. बहालवाला कर्मचारीको तलब वृद्धिमा तलबको शुरु अंकमा जति वृद्धि भएको छ त्यसको दुर्इ तिहार्इ रकम समान पदबाट निवृत्त कर्मचारीको निवृत्तिभरणमा पनि थप गरिनेछ । निवृत्तिभरणको न्यनतम रकम समान पदको वहालवाला कर्मचारीको तलब स्केलको शुरु अंकको आधा भन्दा कम र अधिकत्तम रकम समान पदको वहालवाला कर्मचारीको तलबको शुरु स्केल भन्दा बढी हुनेछैन ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को २ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम १३.४)**

**३७. पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान सम्वन्धी व्यवस्थाः-**

१. कुनै कर्मचारीको नोकरी छदै अथवा आफुले निवृत्तिभरण पाउन थालेको ७ बर्ष नपुग्दै मृत्यू भएमा मृतक कर्मचारीको परिवारलाई नियम १३.३ बमोजिमको उपदान वा नियम १३.४ बमोजिम निवृत्तभरण दिईनेछ तर निवृत्तभरण को हकमा त्यस्तो निवृत्तिभरण पाउन थालेको ७ बर्ष नपुग्दै मृत्य भएमा ७ बर्ष अवधि नपुगुन्जेल सम्म पुरै र सो पश्चात जीवनभर निजले पाउने निवृत्तभरणको आधा रकम पाउनेछ ।

२. यस नियम बमोजिम निवृत्तिभरण पाइरहेको कर्मचारीले दोहोरो निवृत्तिभरण पाउने छैन ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ३ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम १३.६)**

**३८.अशक्त वृत्तिको लागि भएको व्यवस्थाः**

1. सेवाका कुनै पनि कर्मचारी आफ्नो पदको कर्तव्यपालना गर्दा वा तालिमको सिलिसलामा दुघर्टनामा परी वा आघातमा परी अङ्गभङ्ग भएको छ वा चोटपटक लागि सेवाका लागि अशक्त भएको छ भने निजले निवृत्तिभरण पाउने अवधि पुगीसकेको भए निजले खाईपाई आएको तलवले पाउने निबृत्तिभरण वा निवृत्तिभरण पाउने अवधी पुगी नसकेको भए निजको जिविकाको निमित्त बाचुन्जेल सम्म अशक्त वृत्तिको रुपमा उपनियम २ मा लेखिए बमोजिमको निबृत्तिभरण सहित उपनियम ३ बमोजिम अशक्त भत्ता पाउनेछ
2. उपनियम १ बमोजिम अशक्त भएको कर्मचारीको सेवा अवधि निवृत्तभरण पाउने अवस्था पुगेको छ भने निज तत्काल बहाल रहेको उच्चतम पदको कायम मुकायम गरेको भए सो पदको र अशक्त भइ सेवाबाट हटदा सम्म बढुवा पाइसकेको रहेछ भने सो बढुवा पाएको पदको तत्काल पाएको तलवको नियम १३.४ बमोजिम हिसाव गरी हुन आउने रकम निवृत्तिभरण पाउनेछ । त्यस्तो अशक्त भएको कर्मचारीको सेवाको अवधी निवृत्तभरण पाउने अवस्था पुगेको छैन भने यस नियमावली बमोजिम निवृत्तिभरण पाक्ने वर्ष पुर्‍याउन नपुग प्रत्येक पुरा वा चानचुन बर्षको निमित्त दामासाहीबाट कट्टी गरी बाँकी हुन आउने निवृत्तिभरणको अंक पाउनेछ । यसरी कट्टी गर्दा एक तिहाइ भन्दा बढी कट्टी गरिने छैन ।
3. विशेष सेवाको कर्मचारीले असक्तता वापत उपनियम १ वा २ बमोजिम पाउने अशक्त निवृत्तिभरणको अतिरिक्त थप पाउने मासिक अशक्त भत्ताको रकम निजले खाइपाइ आएको तलवको २० प्रतिशत बराबर हुनेछ ।

तर अशक्त वृत्ति पाए वा पाउने ठहरिएका विशेष सेवाको कुनै कर्मचारीले पछि कुनै सेवामा पुन प्रवेश पाएमा निजले यस नियम बमेजिमको अशक्त वृत्ति पाऊने छैन र खाइसकेको अशक्त वृत्ति रकम भने फिर्ता गर्नुपर्ने छैन।

(४) यस नियममा अन्यत्र जुनसुकै कुरा लेखिएको भएता पनि सेवाको कुनै कर्मचारी आतककारीबाट भएको आक्रमण वा विष्फोटनबाट वा आतककारी विरुद्धको इन्टेलिजेन्स सम्बन्धी काम कारबाहीमा खटिएको समयमा कुनै आकस्मिक दुर्घटनामा परी वा लडी वा कुनै पनि प्रकारको हतियारको चोटबाट सेवाको निमित्त काम गर्न अशक्त भएमा त्यस्तो कर्मचारीलाइ सेवाबाट अवकाश दिइनेछ र निजले उमेरको हदले अवकाश प्राप्त गर्ने अवधी ननाघ्ने गरी ७ बर्ष सम्म खाइपाइ आएको पुरा तलव पाउने छ । उक्त पुरा तलव पाउने अवधि व्यतित भएपछि निवृत्तीभरण पाक्ने अवधी भन्दा कम सेवा अवधी भएका कर्मचारीले निवृत्तिभरण पाकेको अवधि सरह र निवृत्तिभरण पाक्ने अवधि भन्दा बढी सेवा अवधि भएको कर्मचारीले नियम १३.४ बमोजिम हिसाव गर्दा हुन आउने रकम निवृत्तिभरण पाउनेछ ।

(५) यस नियम बमोजिम कर्मचारीको अशक्तताको निर्धारण गर्न देहाय बमोजिमको समिति हुनेछः-

1. प्रतिनिधी गृह मन्त्रालय -अध्यक्ष
2. प्रतिनिधी अर्थ मन्त्रालय - सदस्य
3. प्रतिनिधी रा.अ.विभाग - सदस्य
4. चिकित्सक प्रतिनिधि विरेन्द्र प्रहरी अस्पताल - सदस्य

माथी उल्लेखित समितिलाइ कुनै पनि कर्मचारीको मृत्यु आफ्नो कर्तव्य पालना गर्दा वा तालिम दिदा दुर्घटना वा दैवी विपत्ती वा आक्रमण वा अन्य कुनै त्यस्तो प्रकारको घटनामा परी भएको हो वा होइन भन्ने र अशक्तताको सम्वन्धमा निर्णय गर्न समेत अधिकार हुनेछ । **(नियम १३.७)**

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ४ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ ।**

**३९. सन्तती बृत्ति र शैक्षिक भत्ता**

* + 1. कुनै कर्मचारीले आफ्नो कतर्व्यपालनको सिलसिलामा तालिम लिदा वा आतंककारीबाट भएको आक्रमण वा विष्फोटमा परी वा आतंककारी विरुद्ध इन्टेलिजेन्स सम्बन्धी काम कारबाहीमा खटिएको समयमा कुनै आकस्मिक दुर्घटनामा परी लडी वा कुनै हतियारको चोटपटकबाट मृत्य भएमा वा सोही कारणले गर्दा आजिवन काम गर्न नसक्ने अशक्त भएमा त्यस्तो असक्त वा मृत कर्मचारीको प्रत्येक सन्ततिलाई देहायका दरले मासिक सन्तति बृत्ति दिइनेछ ।
	1. बाबु आमा दुवै जीवित नहुने सन्ततीलाई सम्बन्धित कर्मचारीको शुरु तलव स्कलेको दश प्रतिशत,
	2. बाबु वा आमा मध्ये कुनै एक जिवत हुने सन्ततिलाइ सम्बन्धित कर्मचारीको शुरु तलव स्केलको सात प्रतिशत ।
1. उपनियम १ बमोजिमको बृत्ति सम्बन्धित सन्ततिले एकाइस बर्ष उमेर पुरा गरेको वा सरकारी सेवा प्रवेश गरेको वा विवाह गरेकोमा जुन अगाडी हुन्छ सो मितिसम्म पाउनेछ ।
2. कर्मचारीको प्रत्येक सन्ततिलाई ३ बर्षदेखी १८ बर्ष उमेर नपुगुन्जेलसम्म उपनियम (१) बमोजिम सन्तती बृत्तीको अतिरिक्त देहायको दरले वार्षिक शैक्षिक भत्ता पनि दिइनेछ ।
	1. राजपत्राङ्क्तिको सन्ततीलाइ -१२०० (एकहजार दुईसय रुपैया)
	2. वरिष्ठ अनुसन्धान सहायक र अनुसन्धान सहायकको

प्रत्येक सन्ततीलाइ - ८०० (आठ सय रुपैया)

* 1. सूचक र सहायक सूचकको प्रत्येक सन्ततीलाइ - ४०० (चार सय रुपैया)
	2. परिचर/कुचिकारको प्रत्येक सन्ततीलाइ - ३०० (तीन सय रुपैया)

स्पष्टिकरणः यस नियमको प्रयोजनको लागि सन्तती भन्नाले मृत वा अशक्त कर्मचारीको छोरा वा छोरी सम्झनुपर्छ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ६ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ ।(नियम १३.११)**

**४०. असाधारण पारिवारिक बृत्ति र उपदानः**

1. कुनै कर्मचारीको आफ्नो कर्तव्यपालना गर्दा वा तालिम लिदा तत्कालै मृत्यु भएमा वा त्यसैको कारणबाट निको नहुदै मृत्यु भएमा निजको नोकरी जतिसुकै बर्ष पुगेको भए तापनि मृत कर्मचारीको सबभन्दा नजिकको हकवालाले त्यस्तो कर्मचारीले खाइपाइ आएको तलवको आधा पारिवारिक निवृत्तभरण पाउने छ र त्यस्तो हकवालालाइ देहाय बमोजिम असाधारण पारिवारिक उपदान समेत दिइने छः
2. दश बर्षसम्मको सेवा अवधि नपुग्दै मृत्यु भएमा निजले खाइपाइ आएको ६ महिनाको तलव ।
3. दश बर्षदेखी २० बर्षसम्मको सेवा अवधि पुरा गरी मृत्यू भएमा निजले खाइपाइ आएको नौ महिनाको तलव ।
4. वीस बर्ष भन्दा बढी जतिसुकै सेवा अवधि पुरा गरी मृत्यु भएमा निजले खाइपाइ आएको एक बर्षको तलव ।
5. हतियार बन्द मुठभेडमा कुनै कर्मचारीको मृत्यु भएमा जतिसुकै वर्ष सेवा गरेको भएतापनि मृतक कर्मचारीको सबभन्दा नजिकको हकवालाले खाइपाइ आएको तलवको आधा पारिवारिक निवृत्तभिरण पाउने छ र त्यस्तो हकवालालाइ देहाय बमोजिम असाधारण पारिवारिक उपदान समेत दिइनेछ ।
6. दश बर्ष सम्मको सेवा अवधि नपुग्दै मृत्यु भएमा निजले खाइ पाइ आएको एक बर्षको तलव।
7. दश बर्ष देखी बीस बर्ष सम्मको सेवा अवधी पुरा गरी मृत्यु भएमा निजले खाइपाइ आएको अठार महिनाको तलव ।
8. वीस बर्ष भन्दा बढी जतिसुकै सेवा अवधि पुरा गरी मृत्य भएमा निजले खाइ पाइ आए को दुइ बर्षको तलव
9. यस नियमावलीमा अन्यत्र जुनसुकै कुरा लेखिएको भए पनि उपनियम (१)र(२)बमोजिम पाउने असाधारण निवृत्तिभरणको प्रयोजनको निमित्त हकवाला भन्नाले मृत कर्मचारीको पत्नी, नावालक छोरा अविवाहित छोरी र आश्रीत बाबु आमालाइ मात्र जनाउने छ ।
10. उपनियम(१)र(२) बमोजिम असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण मृत कर्मचारीको पत्नी वा वाबु आमा भए आजिवन र छोरा वा छोरीले भए एक्काइस बर्षको उमेर पुरा गरेको वा विवाह वा सरकारी सेवा प्रवेश गरेको जुन अगाडी हुन्छ सो मिति सम्म पाउने छ ।
11. मृत महिला कर्मचारीको विदुर पतिको हकमा नेपाल सरकारले उचित र न्यायसँगत तरिकाबाट कारबाही गर्न सक्नेछ।
12. यस नियमावलीमा अन्यत्र जुन सुकै कुरा लेखिएको भएतापनि सेवाका कुनै कर्मचारी आतंककारीबाट भएको आक्रमण वा कुनै हतियारको प्रहारबाट वा आतंककारी विरुद्धको इन्टेलिजेन्स सम्वन्धी काम कारबाहीमा खटिएको समयमा कुनै आकस्मिक दुघर्टनामा परी वा लडी वा कुनै पनि प्रकारको हतियारको चोटबाट मृत्यु भएमा त्यस्तो कर्मचारीको उमेरको हदले अवकाश प्राप्त गर्ने अवधी ननाघने गरी ७ बर्ष सम्म निजको नजिकको हकवालाले खाइपाइ आएको पुरा तलव पाउनेछ । उक्त पुरा तलव पाउने अवधी व्यतित भएपछि मृतक कर्मचारीको सेवा अवधी निवृत्तभरण पाक्ने अवधी भन्दा कम भएमा निवृत्तभरण पाक्ने अवधी सरह र निवृत्तभरण पाक्ने अवधी भन्दा बढी सेवा अवधी भएमा नियम १३.४बमोजिम हिसाव गर्दा हुन आउने रकम मृतक कर्मचारीको नजिकको हकवालाले निवृत्तभरण पाउनेछ ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ५ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ । (नियम १३.९)**

  **परिच्छेद ७**

**राष्ट्रिय सतर्कता प्रहरी सम्बन्धी**

(राष्ट्रिय सतर्कता प्रहरी नियमावली २०७१ मा भएको ब्यवस्था)

**४१. अनिवार्य अवकाश सम्बन्धी ब्यवस्था**

(१) प्रहरी कर्मचारीले देहाय बमोजिम जुन पहिले हुन्छ सोही आधारमा प्रहरी सेवाबाट स्वतः अवकाश पाउनेछः-

क.देहायको पदमा बहाल रहेको प्रहरी कर्मचारीको देहाय बमोजिमको उमेर पुरा भएमाः-

१.प्रहरी नायव महानिरीक्षक -५६ बर्ष

२. प्रहरी वरिष्ठ उपरिक्षक वा प्रहरी उपरीक्षक -५५ बर्ष

३. प्रहरी नायव उपरीक्षक -५४ बर्ष

४. प्रहरी निरीक्षक -५३ बर्ष

५. प्रहरी नायव निरीक्षक - ५२ बर्ष

ख. देहायका पदमा देहायका अवधिसम्म वहाल रहेको प्रहरी कर्मचारीले सो अवधी पुरा भएमाः-

१.प्रहरी नायव महानिरीक्षक -५ बर्ष

२. प्रहरी वरिष्ठ उपरिक्षक -६ बर्ष

३. प्रहरी उपरीक्षक - १० बर्ष

ग. प्रहरी कर्मचारीको नोकरी अवधी ३० बर्ष पुरा भएमा ।

(२) उपनियम १ को खण्ड ख वा ग बमोजिम अबकास प्राप्त गर्ने प्रहरी कर्मचारीको हकमा निजको खण्ड क बमोजिम उमेर बाकी रहेमा त्यसरी बाकी हुन आउने अवधि थप गरि निजले पाउने निवृत्तिभरणको हिसाव गरिनेछ ।

(३) मिति २०४९/११/१५ भन्दा अघि प्रहरी सेवा वा नेपाल विशेष सेवामा नियुक्ति पाई विशेष प्रहरी विभागबाट राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्रमा स्थानान्तरण भै उप-नियम १ बमोजिम अवकाश प्राप्त गरेका वा गर्ने प्रहरी कर्मचारीहरुले निज नियक्ति हुदाँका वखत वहाल रहेको निजको सेवा समूह सम्बन्धी नियमावली बमोजिम अवकाश प्राप्त गर्न जति उमेर वाँकी रहेको छ सो अवधी निजले गरेको ज्ममा नोकरी अवधीमा थप गरी निजले पाउने निवृत्तिभरण हिसाव गरिनेछ ।

**४२. उपदान सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

(१)उपदान अंक किटान गर्ने सम्बन्धमा देहाय बमोजिम हुनेछः-पाँच बर्ष वा सो भन्दा बढी अवधि पुरा भएको प्रहरी कर्मचारीले निबृत्तिभरण पाउने अवधि नपुग्दै सेवाबाट अवकाश पाएमा वा राजीनामा स्वीकृत गराई पदबाट अलग भएमा वा भविष्यमा सरकारी नोकरीको निमित्त अयोग्य नठहरिने गरि पदवाट हटाईएमा निम्नानुसार उपदान पाउने छ ।

* ५ बर्ष देखी १० बर्ष सम्म पुरा गरेको हकमा प्रहरी कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी आधा महिनाको तलव
* सेवा अवधि १०बर्ष देखी १५ बर्ष सम्म पुरा गरेको हकमा प्रहरी कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी एक महिनाको तलव
* सेवा अवधि १५ बर्ष भन्दा बढी तर निवृत्तिभरण पाउने अवधि नपुगेकाको प्रहरी कर्मचारीले काम गरेको प्रत्येक बर्षको निमित्त आखिरी डेढ महिनाको तलव

(२) उप-नियम १ मा जुन सुकै कुरा लेखिएको भए तापनि प्रहरी कर्मचारीले सेवा पाउने वा सो सेवामा बहाल रहने उद्येश्यले नागरिकता वा उमेर वा योग्यता ढाँटेको प्रमाणित हुन आएमा त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीलाई उपदान दिईने छैन ।

 **उपदान किटान गर्न अनुसूचि ९ को १ बमोजिमका कागजातहरु पेश गर्नु पर्नेछ ।**

**४३. निवृत्तिभरण सम्बन्धी ब्यवस्थाः**

 (१) प्रहरी कर्मचारीले २० बर्ष वा सो भन्दा बढी समय सम्म प्रहरी सेवामा काम गरी नोकरीबाट अवकाश भएमा देहाय बमोजिमको हिसाबले हुन आउने रकम मासिक निवृत्तिभरण पाउने छ ।

क) राजपत्राङ्कित प्रहरी कर्मचारीको निमित्तः-

 नोकरी वर्ष X आखिरी तलब

 ५०

ख) राजपत्राअनङ्कित प्रहरी कर्मचारीको निमित्तः-

नोकरी वर्ष X आखिरी तलब

 ४०

(२) बहालवाला प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा तलबको शुरु अङ्कमा जति वृद्धि भएको छ¸ त्यसको दुई तिहाइ रकम समान पदका सेवा निवृत्त प्रहरी कर्मचारी को निवृत्तिभरण रकममा पनि थप गरिनेछ ।

(३) निवृत्तिभरणको न्यूनतम रकम समान पदको बहालवाला कर्मचारीको तलब स्केलको शुरु अंकको आधा भन्दा कम र अधिकत्तम रकम समान पदको बहालवाला कर्मचारीको तलबो शुरु अंक भन्दा बढी हुनेछैन ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को२ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ ।**

**४४. पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदानः-**

राष्टिय सर्तकता प्रहरी नियमावली २०७१ को नियम ७७ मा भएको निवृत्तिभरण पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदानः-

(१) कुनै प्रहरी कर्मचारीको सेवामा छँदै वा निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै मृत्यु भएमा निजको परिवारलाई वा निजको नाबालक भाई वा अविवाहिता दिदि बहिनीलाई नियम ७४ वा ७५ मा लेखिए बमोजिम उपदान वा निवृत्तिभरण प्राप्त हुनेछ ।

 तर निवृत्तिभरणको हकमा यस्तो निवृत्तिभरण सात वर्षभन्दा बढी समय प्राप्त हुने छैन। निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै मृत्यु भएको प्रहरी कर्मचारीको परिवार वा नाबालक भाई वा अविवाहित दिदि बहीनीलाई सात वर्ष पुगेपछि निवृत्तिभरण प्राप्त हुनै छैन ।

(२) उपनियम (१) मा जुनसुकै कुरा उल्लेख भए तापनि निवृत्तिभरण पाउने व्यक्ति नाबालक रहेछ भने निज अठार वर्षको उमेर नभएसम्म त्यस्तो निवृत्तिभरण पाउनेछ ।

(३) प्रहरी कर्मचारीको विधुर पति वा विधवा पत्नीले निजको पति वा पत्नी सेवामा छदै वा निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै मृत्यु भएमा उपनियम (१) बमोजिम पारिवारिक निवृत्तिभरण पाउने भएमा सो निवृत्तिभरण पाउने अवधि भुक्तान भएको मितिदेखि र त्यस्तो निवृत्तिभरण नपाउने भएमा वा निजको पति वा पत्नीले निवृत्तिभरण पाउने थालेको सात वर्ष व्यतित भईसकेपछि मृत्यु भएमा निजको मृत्यु भएको मिति देखि जिवन भर निजले पाउने निवृत्तिभरणको आधा रकम पाउनेछ ।

(४) बहालवाला समान पदका प्रहरी कर्मचारीको तलब वृद्धि हुँदा तलबको सुरु अङ्कमा जति वृद्धि भएको छ त्यसको दुई तिहाई रकम उपनियम पारिवारिक निवृत्तिभरणमा पनि थप गरिनेछ ।

(५) कुनै प्रहरी कर्मचारीको यस नियमावली बमोजिम पाउने कुनै रकम लिन नपाउदै मृत्यु भएमा सो रकम निजको परिवारको सदस्यहरु मध्ये यस नियमावली बमोजिम निजको निवृत्तिभरण वा उपदान पाउने ठहरिएको व्यक्तिले लिन पाउनेछ ।

(६) निवृत्तिभरण वा उपदान दिँदा मृतक प्रहरी कर्मचारीले आफ्नो परिवारका सदस्य मध्ये नाबालक भाइ वा अविवाहित दिदि वहिनी कसैलाइ इच्छाएको रहेछ भने सो व्यक्तिलाइ र कुनै कारणले सो व्यक्तिले उपदान वा निवृत्तिभरण पाउन नसक्ने भएमा वा कसैलाइ पनि इच्छाएको रहेनछ भने सो प्रहरी कर्मचारीको परिवारको सदस्य मध्ये नेपाल सरकारले उचित ठहर्याएको व्यक्तिलाई दिईनेछ ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ३ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ ।**

**४५. अशक्त बृत्ति सम्बन्धी व्यवस्थाः**

(१)कुनै प्रहरी कर्मचारी सरकारी कामको सिलसिलामा दुर्घटनामा परी अङ्गभङ्ग भइ वा चोटपटक लागेको कारणले शारिरिक वा मानसिक रुपमा सेवाको लागि असमर्थ भएमा त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीले निजको जीविकाको निमित्त बाचुन्जेलसम्म अशक्त वृत्तिको रुपमा उपनियम (२) मा लेखिए बमोजिम निवृत्तिभरण सहित उपनियम(३) मा लेखिए बमोजिमको असक्त भत्ता पाउनेछ ।

स्पष्टिकरणः यस उपनियमको प्रयोजनको लागि मानसिक रुपमा अशक्त भन्नाले नेपाल सकारले गठन गरेको मेडिकल बोर्डबाट शारिरिक वा मानसिक रुपमा अशक्त भइ सेवाको लागि असमर्थ भनी सिफारिस गरेको प्रहरी कर्मचारी सम्झनुपर्छ ।

(२)उपनियम(१) बमोजिम अशक्त प्रहरी कर्मचारीको सेवा अवधी निवृत्तिभरण पाउने अवधि पुगेको भए निजले तत्काल खाइपाइ आएको तलवले नियम ७५ को उपनियम(१) बमोजिम हिसाव गरी हुन आउने रकम बराबर अशक्त निवृत्तिभरण पाउनेछ । त्यस्तो अशक्त प्रहरी कर्मचारीको सेवा अवधी निवृत्तिमरण पाउने अवधिभन्दा घटी भएमा यस नियमावली बमोजिम निवृत्तिभरण पाउने वर्ष पुर्‍याउन नपुग प्रत्येक पूरा वा चानचुन वर्षको निमित्त दामासाहीबाट कट्टी गरी बाँकी हुन आउने रकम निवृत्तिभरण वापत पाउनेछ । यसरी कट्टी गर्दा एक तिहाईभन्दा बढी रकम कट्टी गरिने छैन ।

(३)प्रहरी कर्मचारीले अशक्तता वापत उपनियम(२) बमोजिम पाउने अशक्त निवृत्तिभरणको अतिरिक्त थप पाउने मासिक अशक्त भत्ताको रकम निजले खाईपाई आएको तलवको वीस प्रतिशत बराबर हुनेछ ।

(४)उपनियम(१) बमोजिम चोटपटक लाग्न गइ उपचार गराउदाँ लाग्ने खर्चको पुरा रकम सम्वन्धित प्रहरी कर्मचारीले पाउनेछ र यस्तो उपचार खर्च दिदा यस नियमावली बमोजिम पाउने उपचार खर्चमा कट्टा गरिने छैन।

(५)यस नियम बमोजिम अशक्त वृत्ति पाइरहेको कुनै प्रहरी कर्मचारीको मृत्यु त्यस्तो सुविधा पाउन शुरुगरेको मितिले सात बर्ष नपुग्दै भएमा सो सात बर्ष पुरा हुन बाँकी अवधी वापत पाउने अशक्त वृत्ति अनुदानको रुपमा एकमुष्ट रकम नियम ७५ को (१) बमोजिम उपदान वा निवृत्तभरण पाउने ठहरिएको व्यक्तिले लिन पाउनेछ ।

(६)वहालवाला नेपाल प्रहरी कर्मचारीको तलव वृद्धि हुदा समान स्तरको प्रहरी कर्मचारीको तलवको शुरु अङ्को रकममा जति प्रतिशत बृद्धि भएको छ सोही प्रतिशतले उपनियम(१) बमोजिमको अशक्त वृत्तिको रकममा समेत वृद्धि हुनेछ ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसूची ९ को ४ बमोजिम कागजपत्रहरु पेश गर्नु पर्नेछ ।**

**४६. असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान**

1. कुनै प्रहरी कर्मचारीको सरकारी कामको सिलसिलामा कुनै दुर्घटनामा परी तत्कालै मृत्यु भएमा वा त्यसैको कारणबाट निको नहुदै पछि मृत्यु भएमा निजको पति वा पत्नी वा यस नियमावली बमोजिम निवृत्तभरण वा उपदान पाउन ठहरेको व्यक्तिलाइ त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीले खाइ पाइ आएको तलवको आधा पारिवारिक निवृत्तभरण र देहाय बमोजिम असाधारण पारिवारिक उपदान समेत दिइने छः
2. दश बर्षसम्मको सेवा अवधी नपुग्दै मृत्यु भएकोमा निजले खाइपाइ आएको ६ महिनाको तलब बराबरको रकम ।
3. दश बर्षदेखी २० बर्ष भन्दा कम सेवा अवधि पुरा गरी मृत्यू भएकोमा निजले खाइ पाएको नौ महिनाको तलव बराबरको रकम ।
4. उपनियम (१) बमोजिम असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण मृतक प्रहरी कर्मचारीको पति वा पत्नी तथा बाबु¸आमा भए आजिवन र छोरा वा अविवाहिता छोरी भए एक्काइस बर्षको उमेर पूरा नगरर्सम्म वा निज सरकारी सेवामा प्रवेश गरेको जुन मिति अगाडी हुन्छ सो मिति अगाडी हुन्छ सो मितिसम्म पाउनेछ ।
5. बहालवाला नेपाल प्रहरी कर्मचारीको तलव बृद्धी हुदाँ समान स्तरको प्रहरी कर्मचारीको तलवको शुरु अङ्कको रकममा जति प्रतिशत बृद्धि भएको छ सोही प्रतिशतले उपनियम (१) बमोजिमको साधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान रकममा समेत बृद्धि हुनेछ ।
6. यस नियमको प्रयोजनको लागि प्रहरी कर्मचारीको विधुर पति वा विधवा पत्नीलाइ देहायको अवस्थमा मात्र मान्यता दिइनेछः

ख) उपयुर्र्क्त कारणबाट मृत्यु हुने घटना घटनु अघि त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीसँग वैवाहिक सम्वन्ध भइसकेको हुनु पर्नेछ

1. प्रहरी कर्मचारीको मृत्यु भएको समयमा निजसँग सँगोलमा बसेको हुनुपर्नेछ ।

**उल्लेखित सुविधाका लागि अनुसुची ९ को ५ बमोजिमका कागजातहरु पेश गर्नु पर्नेछ ।**

**४७. सन्तती बृत्ति र शैक्षिक वृत्तिः**

1. कुनै प्रहरी कर्मचारी सरकारी कामको सिलसिलामा कुनै दुर्घटामा परी सोही कारणले आजिवन काम गर्न नसक्ने गरी अशक्त भएमा त्यस्तो अशक्त प्रहरी कर्मचारीको बढीमा दुइ सन्ततीलाइ देहायको दरले मासिक सन्तती वृत्ति दिइनेछः
2. राजपत्राङ्कित प्रहरी अधिकृत - दुर्इसय साठी रुपैया
3. राजपत्राअनङ्कित प्रहरी – एकसय चौविस
4. कुनै प्रहरी कर्मचारीको उपनियम (१) बमोजिमको अवस्था परी मृत्यु भएमा त्यस्तो मृतक प्रहरी कर्मचारीको बढीमा दुर्इ सन्ततीलाइ मृतक प्रहरी कर्मचारीको बहाल रहेको पदको शुरु तलव स्केलको देहाय बमोजिमको प्रतिशतका दरले मासिक सन्ततीबृत्ति दिइनेछः
5. प्रहरी नायव महानिरीक्षक वा प्रहरी वरिष्ठ उपरिक्षक -८ प्रतिशत
6. प्रहरी उपरिक्षक वा प्रहरी नायव उपरिक्षक -९ प्रतिशत
7. प्रहरी निरीक्षक -१० प्रतिशत
8. प्रहरी नायव निरीक्षक -१२ प्रतिशत
9. उपनियम(१) बमोजिमको सन्तति बृत्ति छोरा वा अविवाहिता छोरी भए एक्काइस बर्षको उमेर पुरा गरेको वा निज सकारी सेवामा प्रवेश गरेको जुन मिति अगाडी हुन्छ सो मितिसम्म पाउनेछ र उपनियम (२) बमोजिमको सन्ततीबृत्ती अठार बर्षको उमेरसम्म पाउनेछ ।
10. कुनै प्रहरी कर्मचारीको सरकारी कामको सिलिसलामा दुर्घटनामा परी अशक्त भएमा वा मृत्य' भएमा त्यस्तो अशक्त वा मृत्तक प्रहरी कर्मचारीको बढीमा दुर्इ सन्ततीलाइ अठार बर्षको उमेर पूरा नभएसम्म उपनियम (१) वा (२) बमोजिमको सन्ततिवृत्तिको अतिरिक्त देहाय बमोजिमको दरले बार्षिक शैक्षिक बृत्ति समेत दिइनेछः
11. राजपत्राङ्कित प्रहरी अधिकृत - दुर्इ हजार चार सय रुपैया
12. राजपत्राअनङ्कित प्रहरी – एक हजार आठ सय रुपैया

**४८. समितिको व्यवस्थाः**

1. सरकारी कामको सिलिसलामा खटिएको कुनै प्रहरी कर्मचारी दुर्घटनामा परी अशक्त भएमा सोही कारणबाट निजको मृत्यू भएमा चोटपटक लागि उपचार गर्नु परेमा वा त्यस्तो प्रहरी कर्मचारीको परिवार वा सन्ततीले पाउने सन्तती वृत्ति उपदान वा उपचार खर्चको सम्बन्धमा सिफारिस गर्न देहाय बमोजिमको एक समिति रहेनछः
2. प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालयको प्रतिनिधी
3. अर्थ मन्त्रालयको प्रतिनिधी
4. केन्द्रको कर्मचारी प्रशासन शाखा प्रमुख
5. उपनियम (१) बमोजिमक समितिलाइ केन्द्रमा कार्यरत प्रहरी कर्मचारीको मृत्यु वा चोटपटक सरकारी कामको सिलिसलामा भएको हो होइन भन्ने र अशक्तताको सम्बन्धमा समेत आवश्यक जाँचवूझ गरी सिफारिस गर्ने अधिकार हुनेछ ।

**परिच्छेद ८**

**विविध**

**४९. थर ठेगाना परिवर्तन भएमाः**

(१)कुनै कर्मचारी सिटरोलमा उल्लेखित स्थायी ठेगानाबाट बसार्इ सरार्इ वा विवाह गरी अन्यत्र गएमा वा थर वा स्थायी ठेगाना परिवर्तन गर्नु परेमा निम्न कागजात सहित किताबखानामा निवेदन दिनु पर्नेछ । पेश भएका कागजातको आधारमा किताबखानाले निज कर्मचारीको व्यक्तिगत विवरण (सिटरोल) तथा अन्य अभिलेखमा उक्त व्यहोरा जनार्इ सम्बन्धित कार्यालयलार्इ समेत सुचना गर्नेछ।

क.बसार्इ सरेकोमा हाल बसार्इसरी आएको पंजिकाधिकारीको कार्यालयबाट प्राप्त बसार्इसरार्इ प्रमाणपत्र ।

ख.जग्गाधनी दर्ता प्रमाण पत्र

ग.विवाह भएकोमा विवाह दर्ता प्रमाणपत्र

घ. सम्बन्धित कार्यालयको सिफारिस पत्र

(२)उपदफा (१) बमोजिम ठेगाना परिवर्तन भएमा त्यस्ता कर्मचारीले पाउने सेवा सुविधा नयाँ ठेगाना भएको स्थानबाट पाउनेछन् ।

**५०. र्इच्छाएको व्यक्ति परिवर्तनः**

 (१) कुनै कर्मचारीले आफ्नो शेष पछि पाउने सुविधाको लागि कसैलार्इ र्इच्छार्इएको रहेछ र कुनै कारणबस उक्त व्यक्ति परिवर्तन गरी कानून बमोजिम इच्छाउन मिल्ने अर्को व्यक्तिलार्इ र्इच्छाउन चाहेमा सोको कारण सहित आफु कार्यरत कार्यालय वा निवृत्त कर्मचारीकोहरुको हकमा सम्बन्धित स्थानीय तहको सिफारिस साथ निवेदन दिनुपर्नेछ। यसरी निवेदन प्राप्त भएपछि कारण प्रमाणको आधारमा र्इच्छार्इएको व्यक्ति परिवर्तन गर्न सकिनेछ ।

(२) सिटरोल भर्दा पति पत्निलार्इ र्इच्छाएकोमा निज मध्ये कसैलार्इ परिवर्तन गर्नु परेमा सम्बन्ध बिच्छेद वा मृत्यु दर्ताको प्रमाणपत्र वा अंस बुझि छुट्टि भिन्न भएको प्रमाण आधार सहित कागजी आधार सहित सम्बन्धित कार्यालयको सिफारिस पेश हुनु पर्नेछ र थप गर्नुपर्ने व्यक्तिको नाताप्रमाणपत्र र पतिपत्नि भएमा बिबाह दर्ता प्रमाणपत्र पेश गर्नु पर्ने छ ।

(३) कर्मचारी कार्यरत कार्यालयको सिफारिससाथ निवेदन प्राप्त भएमा कागज प्रमाणको आधारमा संसोधन/ परिवर्तन गरी अभिलेखमा जनार्इने छ र सोही अनुसार सेवा सुविधा प्रदान गरिनेछ ।

**५१. नामथर फरक परेमाः**

कुनै कर्मचारी वा र्इच्छार्इएको व्यक्तिको नाम थर किताबखानामा रहेको अभिलेख संग फरक परेमा दुर्इ वा बढी नामथर भएको भएता पनि व्यक्ति एउटै भएमा सोही व्यहोरा खुल्ने स्थानिय तह र सम्बन्धित जिल्ला/ इलाका प्रशासन कार्यालयको प्रमाणित पत्र साथ सम्बन्धित कार्यालयको सिफारिस पत्र पेश गर्नुपर्नेछ।

**५२.शेष पछि हक सुविधा खानेः**

 कुनै प्रहरी कर्मचारीको मृत्यु भएमा निजले पाउने सुविधा खाने हक निजले कानून बमोजिम इच्छाएको व्यक्तिको हुनेछ । निजको समान हकवाला दुर्इ वा दुर्इ भन्दा बढी इच्छाएको भएमा सबैले दामासाहीले पाउनेछन । ती मध्ये कुनै एक लार्इ इच्छाइएको र समान हकवाला मध्ये अन्यलार्इ इच्छाएको नभएमा इच्छाएको व्यक्तिको मन्जुरी भएमा समान हकवाला सबैलार्इ दामासाहीले उपलव्ध गरार्इने छ ।

**५३. अधिकार पत्रको नामसारीः**

(१)निवृत्तिभरण अधिकार अधिकारपत्रको नामसारीको लागि कानूनले हक प्राप्त व्यक्तिले अनुसूचि ९ को ८ र ९ अनुसार कागजात पेश गर्नुपर्नेछ ।

(२)यसरी निवेदन प्राप्त भए पछी पेश भएका कागजातको आधारमा नामसारी गर्न मिल्ने भए नामसारी गरिने र नमिल्ने भएमा कारण सहितको सूचना सम्बन्धित निवेदकलाई दिइने छ ।

(३)अधिकार पत्रको नामसारी गर्दा कर्मचारीले निवृत्तिभरण पाउन थालेको सात वर्ष नपुग्दै निजको मृत्यु भएमा निजको परिवारलाइ वा निजको नावालक वा अविवाहित दिदि वहिनीको नाममा नामसारी गर्न सकिनेछ । सात वर्ष पुगिसके पछि भने निज कर्मचारीको विदुर पति वा विधवा पत्नी वा नावालक बच्चा रहेछ भने निजको नाममा मात्र अधिकार पत्र नामसारी हुन सक्नेछ

(४)दफा ३ मा जुनसुकै कुरा लेखिएको भएतापनि असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण पाइरहेको कर्मचारीको पति वा पत्नि वा वावु वा आमा वा नावालक बच्चाको नाममा नामसारी गर्न बाधा पुग्ने छैन ।

**५४. अधिकार पत्रको प्रतिलिपीः-**

(१) निवृत्तिभरण अधिकार पत्र हराएमा वा चोरी भएमा वा च्यातिर्इ वा अन्य कारणले नोक्सान भएमा प्रतिलिपिका लागि अनुसुचि ९ को ७ बमोजिमको कागजात संलग्न गरी निवेदन दिनुपर्नेछ ।

(२)हराए वा चोरी भएमा वा झुत्तो पेश गर्न नसक्ने भर्इ प्रतिलिपि माग गर्न आएमा उक्त अधिकार पत्रबाट भुक्तानी हुन नसक्ने व्यबस्था गर्न निवृत्तिभरण व्यबस्थापन कार्यालयलार्इ लेखी पठार्इ किताबखानामा रहेको अभिलेख बमोजिम अधिकार पत्रको प्रतिलिपि जारी गरिनेछ ।

(३)अधिकार पत्रको प्रतिलिपिको लागि प्रथम पटक रु १००/- र त्यस पछि प्रत्येक पटकको लागि २००/- दस्तुर लाग्नेछ ।

**५५. अभिलेखको प्रतिलिपिः**

 कुनै कर्मचारीले आफ्नो परिचय खुल्ने कागजात सहित किताबखानामा रहेको आफुसंग सम्बन्धित अभिलेखको प्रतिलीपी माग गरेमा कानून बमोजिम लाग्ने दस्तुर लिर्इ प्रतिलिपि उपलव्ध गरार्इने छ ।

**५६. कर्मचारी बेपत्ता भएमा**

(१)कुनै कर्मचारी हराइ बेपत्ता भइ दुई बर्ष सम्म पनि मरे बाँचेको पत्ता नलागेमा निजले पाउने निबृत्तिभरण उपदान वा अरु सुबिधा निजको हकवालालाइ उपलब्ध गराईने छ । तर बेपत्ता भएको कर्मचारी पछी फेला परी आवश्यक प्रमाणहरु सहित सुबिधा दाबी गर्न आएमा हकवालालाइ अन्तिम भुक्तानी भएको मिति देखीको भुक्तानी हुन बाँकी सुबिधा निजले पाउने ब्यबस्था गरिने छ ।

(२)बेपत्ता भएकोमा सुबिधा माग गर्ने हकवालाले ब्यहोरा प्रमाणित गरी सम्बन्धित कार्यालय सम्बन्धित जिल्ला प्रशासन कर्यालयको सिफारिस सहित उल्लेखित सुविधाका लागिअनुसूची ९ बमोजिम कागजपत्रहरु आवश्यक पर्नेछ।

**५७. विवरण शंकास्पद भएमा**

(१)कर्मचारीको व्यक्तिगत अभिलेखमा रहेको प्रमाण कागजपत्रहरुमा उल्लेखित नागरिकता वा उमेर वा जन्म मिति वा अन्य विवरण थपघट वा केरमेट वा सच्यार्इएको देखिएमा वा प्रमाणको विश्वसनियतामा शंका लागेमा किताबखानाले पेश भएका कागजातको नक्कल प्रमाणहरुको सक्कल माग्ने वा प्रमाणपत्रहरु जारी गर्ने निकाय संग बुझी सत्यतथ्य एकिन गर्न सक्ने छ ।

(२) किताबखानाबाट माग भर्इ आएमा सम्बन्धित निकाएले सत्यतथ्य विवरण खुलार्इ पठाउनु पर्नेछ ।

**५८.** **सुविधा रोक्का राख्ने**

कुनै कर्मचारीको सुविधा निर्धारण नहुदै वा निर्धारण भर्इ सके पछि पनि देहायको अबस्थामा महानिर्देशकले सुविधा रोक्का राख्ने निर्णय गर्न सक्नेछ ।

(१) निज कर्मचारीको सुविधा सम्बन्धि कागजातमा हरहिसाव नमिलेको पार्इएमा,

(२) निज कर्मचारीको मृत्यु भर्इ सकेको अबस्थामा निजको हकवालाले नपार्इ अरुले नै पाएको जानकारी प्राप्त भएमा,

(३)पुरुष कर्मचारी मृत्यु भएको अबस्थामा निजकी श्रीमतीले पार्इ रहेकोमा निजले अर्को विवाह गरि गएको जानकारी प्राप्त भएमा,

(४) अधिकार प्राप्त निकायबाट रोक्काको लागि लेखि आएमा,

(५). सुविधा नपाउने व्यक्तिले सुविधा पाएको अबस्था बुझिएमा,

**५९. पुरानो अभिलेख व्यबस्थापन**

(१) किताबखानामा रहेको अभिलेख बमोजिमको विवरणलार्इ Computer Entry गरी PPIS Software मा राखी केन्द्रिय अभिलेख अद्याविधक गरिनेछ।

(२) कुनै कर्मचारी कुनै कारणबाट सेवाबाट अलग भएमा निजको विवरण केन्द्रिय अभिलेख प्रणालीबाट हटार्इ निजको छुट्टै अभिलेख राखिनेछ ।

(३)पुरानो अभिलेखलार्इ व्यबस्थित गर्ने क्रममा आबश्यक पर्ने सुचना प्रविधिको प्रयोग गर्न सकिने छ ।

**६०. विवरण उपलव्ध नभए वा फरक परेमा**

किताबखानामा रहेको कर्मचारीको नोकरी सम्बन्धि अभिलेख र निज कर्मचारीले दाबी गरेको वा निजसंग रहेको अभिलेखको विवरण फरक परेमा वा किताबखानामा सिटरोल लगायतको विवरण फेला नपरेमा कर्मचारीको सम्बन्धित कार्यालयबाट विवरण प्रमाणित मागी एकिन गरी अग्रिम कार्वाही गरिनेछ।

**६१. अनुगमन निरीक्षण सम्बन्धी**

सम्वन्धित कार्यालयलाई प्रहरी कर्मचारीहरुको सिटरोल दर्ता¸¸ तलवी प्रतिवेदन पारित¸¸ औषधी उपचार खर्चको अभिलेख तथा सम्पत्ति विवरण पेश गर्ने लगायतका नोकरी सम्बन्धी विवरणहरु के कसरी अभिलेखित गर्ने गरेको छ सो को अनुगमन निरीक्षण कितावखानाले गरी तत्‌सम्बन्धमा आवश्यक निर्देशन दिन सक्नेछ ।

**६२. अधिकार प्रत्यायोजन**

(१) ऐन नियम र दिग्दर्शन बमोजिम किताबखानालार्इ भएको कुनै अधिकार महानिर्देशकले जिल्लामा प्रमुख जिल्ला अधिकारी र कोष तथा लेखा नियन्त्रण कार्यालयको प्रमुखलार्इ प्रत्यायोजन गर्न सक्नेछ।

(२) महानिर्देशकले नियमावली वा दिग्दर्शन बमोजिम आफुलार्इ भएको कुनै अधिकार आफू मातहतको कुनै अधिकृतलार्इ प्रत्यायोजन गर्न सक्नेछ।

**६३. बाधा अडकाउ फुकाउ**

यो दिग्दर्शन कार्यान्वयनको क्रममा कुनै बाधा अडचन आईपरेमा प्रचलित कानूनको परिधिभित्र रही महानिर्देशकले बाधा अडकाउ फुकाउन सक्नेछ ।

**६४. अनुसुचिहरु**

(१) किताबखानाको अभिलेख व्यबस्थापन एवं सेवा प्रवाहको लागि अनुसुचि १ देखी १० सम्मको ढाँचा बमोजिमको फारमहरु प्रयोगमा ल्यार्इनेछ ।

(२) यी अनुसुचिहरुमा आबश्यक हेरफेर वा संसोधन वा घटबढ गर्नु परेमा गृह मन्त्रालयको स्वीकृतीले गर्न सकिनेछ्।

**६५. खारेजि र बचाउ**

(१) प्रहरी किताबखाना कार्यबिधि दिग्दर्शन २०६८ खारेज गरिएको छ ।उक्त दिग्दर्शन बमोजिम भए गरेको काम कार्वाही यसै दिग्दर्शन बमोजिम भए सरह मानिनेछ ।

(२)यस दिग्दर्शनमा उल्लेख गरिएका व्यवस्था ऐन तथा नियमावली लगायतका प्रचलित नेपाल कानून संग बाझिएमा बाझिएको हद सम्म अमान्य हुने भै तत् तत् ऐन तथा नियमावलीका प्रावधान बमोजिम हुनेछ ।

**अनुसुचि-१**

टिकट
रु १०/-

**मितिः- २०७....../............/.........**

श्रीमान् महानिर्देशकज्यू
प्रहरी कितावखाना¸ लैनचौर ।

विषयः- निवृत्तिभरण/उपदान/.................................................उपलब्ध गराई पाउँ ।

मैले प्रहरी सेवाबाट अवकाश/राजीनामा प्राप्त गरेकोले ..................................... नियमावली¸२०............ को नियम.......................बमोजिम निवृत्तिभरणको अधिकार पत्र/उपदान/......................उपलब्ध गराईदिनु हुन देहाय बमोजिमको विवरण भरी यो निवेदन पेश गरेको छु ।

क) अनिवार्य अवकाश

ख) राजीनामा

ग) स्वेच्छिक अवकाश

घ) भविष्यमा सरकारी नोकरीको निमित्त अयोग्य नठहरिने गरी नोकरीबाट हटाइएको

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  | नामथरः |  |  |
|  | जन्ममितिः  |  |  |
|  | बाबुको नामः |  |  |
|  | बाजेको नामः  |  |  |
|  | स्थायी ठेगानाः |  |  |
|  | सम्पर्क नं. |  |  |
|  | शुरु भर्ना मितिः |  |  |
|  | हालको पदः |  |  |
|  | हालको पदको बढुवा मितिः |  |  |
|  | अवकाश वा राजिनामा मितिः |  |  |
|  | नोकरी अवधीः |  |  |
|  | हाल खाईपाई आएको मासिक तलवः |  |  |
|  | शेष पछि इच्छाईएको व्यक्तिकोः  |  |  |
|  | क. नामथर |  |  |
| ख. ठेगाना |  |  |
| ग. नाता |  |  |
|  | नि.भ. भुक्तानी लिने जिल्ला |  |  |
|  | गयल कट्टी /ग्रेड रोक्का/अन्य भएमा खुलाउने |  |  |

माथी उल्लेखित विवरण ठीक साँचो हो । झुठो ठहरिएमा कानु बमोजिम सहुँला बुझाउला ।

**निवेदक**

नामथरः

पदः

संकेत नं.

दस्तखतः

 अनुसुचि-२

निवृत्तिभरण अधिकार पत्रको नमुना

निवृत्तिभरण अधिकार-पत्र

अधिकारपत्रको क्रम संख्या

१. नामथरः

२. स्थायी ठेगानाः जिल्ला
 गा.पा./न.पा.

३. जन्ममिति साल महिना गते

४. अवकाश प्राप्त गर्दाको पद

५. श्रेणी

६. कार्यालय

७. अवकाश प्राप्त मिति

८. सेवा अवधी

९. अन्तिम तलव रु.

१०. मासिक पाउने नि.भ.रु.

११. पाउने अवधी

१२. नि.भ. प्रारम्भ हुने मिति

१३. शेषपछि इच्छाइएको व्यक्ति

 क. नामथरः

 ख. सम्बन्धः

 ग. स्थायी ठेगाना जिल्ला नपा/ गा.पा वडा न
१४. अन्य आवश्यक कुराः

 निवृत्तिभरण पाउनेको सहीछाप

फोटो रेखात्मक

 दायाँ बायाँ

लेखात्मक

..............

 अधिकारपत्र प्रदान गर्ने अधिकारी

 दस्तखतः

 नामथरः-

 दर्जाः-

द्रष्टव्यः असाधारण पारिवारिक वृत्ति¸ निवृत्तिभरण¸अशक्त बृत्ति¸सन्तती र शैक्षिक वृत्ति प्रदान गर्दा यो फाराममा व्यहोरा परिवर्तन हुनसक्नेछ।अनुसुची-३

**संगठन तथा पद दर्ता सम्वन्धी विवरणको नमुना**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| सिन | कार्यालयको नाम | पद | जम्मा | कुन निर्णयले भएको |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

अनुसुची-४

**सम्बन्धीत प्रधान प्रधान कार्यालयबाट रितपूर्वक आएका सिटरोलहरु प्रमाणित गरिसकेपश्चात ढड्डामा सार्ने फर्मेटको विवरणः**

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| सिन | संकेत न/आइडिन. | नामथर | जन्ममिति | बाबुको नाम | बाजेका नाम | ठेगाना | नियुक्तिको विवरण | अन्तिम बढुवाको विवरण |
| जिल्ला | गाविस/नपा | वडा | शुरु नियुक्ति | जिल्ला | कार्यालय | पद | जिल्ला | कार्यालय | पद |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

अनुसुची-५

सम्पती विवरण सम्बन्धी फारामको नमुना

सम्पत्ति विवरण पेश गर्ने प्रयोजनको लागि तोकिएको फारामको ढाँचा सम्बन्धमा नेपाल राजपत्र, भाग ५, खण्ड ६० संख्या १ मिति २०६७ बैशाख ६ गते प्रकाशित भै संशोधन भएको।

(भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा ५० को उपदफा (१) तथा अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग ऐन, २०४८ को दफा ३१ क. को उपदफा (१) को प्रयोजनको लागि

सम्पत्ति विवरण फाराम

सार्वजनिक पदधारण गरेको व्यक्तिको नाम, थरः–

पदः– विवरण पेश गरेको निकाय –

 कार्यालयः–

 विवरण पेश गरेको आ.ब.–

स्थायी ठेगाना –

जिल्ला – गा.वि.स.÷न.पा. – वडा नं. – टोल –

हाल बसोबास गरेको ठेगाना

जिल्ला – गा.वि.स.÷न.पा. – वडा नं.– टोल –

कर्मचारी भए संकेत नम्बरः– स्थायी लेखा नं. –

१. अचल सम्पत्तिको विवरण

(क) घर

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.स | घर धनीको नाम | घर र घरले चर्चेको जग्गाको विवरण खरीद गरेको | भए खरिद मूल्य | प्राप्तिको स्रोत | कैफियत |
|  |  | जिल्ला | गा.वि.स | न.पा | वडा नं | कित्ता नं. | क्षेत्रफल(वर्ग मिटर) |  |  |  |

(ख) जग्गा

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.स | जग्गा धनीको नाम | जग्गाको विवरण | खरिद गरेको भए सो को मूल्य | प्राप्तिको स्रोत | कैफियत |
|  |  | जिल्ला | गा.वि.स | न.पा | वडा नं | कित्ता नं. | क्षेत्रफल |  |  |  |

२. चल सम्पत्तिको विवरण

(क) नगद, सुन, चाँदी, हिरा, जवाहरात

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.सं. | विवरण | परिमाण | प्राप्त मिति | खरिद गरेको भए खरिद मूल्य | प्राप्तिको स्रोत | कैफियत |
|  |  |  |  |  |  |  |

 (ख) बैक, वित्तिय संस्था तथा सहकारी संस्थामा रहेको खाताको विवरण

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.सं. | खातावालाको नाम | संस्थाको नाम र ठेगाना | खाता नं. | मौज्दात रकम | प्राप्तिको स्रोत | कैफियत |
|  |  |  |  |  |  |  |

(ग) धितोपत्र, शेयर वा ऋणपत्रको विवरण

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.सं. | शेयरधनीको नाम | कम्पनीको नाम | शेयर÷ ऋणपत्रकोकिसिम | शेयर÷ऋणपत्रको विवरण | प्राप्तिको श्रोत | कैफियत |
|  |  |  |  | सख्या  |  रकम |  |  |

 (घ) ऋण लिए÷दिए÷तिरेको विवरण

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.सं. | ऋण लिने÷दिने÷तिर्ने व्यक्ति÷संस्थाको नाम,ठेगाना | ऋण |  |  | ऋण लिए÷दिए÷तिरेकोरकम | ऋण लिए÷दिए÷तिरेको मिति | कैफियत |
|  |  | लिएको | दिएको | तिरेको |  |  |  |

(ङ) सवारी साधन (अटोमोबाइलको हकमा मात्र) को विवरण

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| सिन | सवारीधनीकोनाम | सवारीको किसीम | खरिद मुल्य | खरिद मिति | प्राप्तीको श्रोत | कैफियत |
|  |  |  |  |  |  |  |

३. कृषि तथा पशुधन (घरजग्गा बाहेक) को विवरण

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| सिन | विवरण | सख्या | खरिदमुल्य | प्राप्त मिति | प्राप्तीको श्रोत | कैफियत |
|  |  |  |  |  |  |  |

४. अन्य सम्पत्तिको विवरण

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| सिन | विवरण | खरिद मुल्य | प्राप्त मिति | प्राप्तीको श्रोत | कैफियत |
|  |  |  |  |  |  |

मैले जाने बुझेसम्म माथि लेखिए बमोजिमको विवरण ठिक छ । फरक पर्ने छैन ।

नामः–

पद –

संकेत नं.-

दस्तखत –

मितिः–

द्रष्टव्यः अघिल्लो आर्थिक वर्षमा पेश गरेको सम्पत्ति विवरणमा थपघट भएको विवरण यसै बमोजिमको फाराममा भरी पेश गर्नु पर्नेछ।

अनुसुचि-६

**औषधी उपचार सम्बन्धी निवेदनको नमुना**

पसः

च.नं. मितिः-२०७.................

प्राप्त पत्र संख्या र मितिः

**विषयः- औषधी उपचार सम्बन्धमा ।**

श्री..............................

............................................... ।

उपरोक्त सम्बन्धमा................................बाट अवकाश भएका संकेत नं.............................का पुर्व प्र...............श्री.........................................ले सेवामा बहाल रहदा औषधी उपचार वापतको रकम लिएको यस कार्यालयको केन्द्रिय अभिलेखबाट नदेखिएको भनी ............................. प्रधान कार्यालयको च.नं. .......................मिति..............२०.................................को पत्रबाट लेखि आएको साथै निजले यस कितावखानाको अभिलेखबाट समेत औषधी उपचार खर्च वापतको रकम लिएको नदेखिएको व्यहोरा निर्णयानुसार अनुरोध छ ।

अनुसुची ७

मितिः२०७………..

**सन्ततीवृत्ति र शैक्षिकवृत्ति सम्बन्धी निवेदनको नमुना**

श्रीमान् महानिर्देशक ज्यू¸

प्रहरी किताबखाना लैनचौर ।

विषयः सन्ततीवृत्ति र शैक्षिकवृत्ति सम्बन्धमा ।

महोदय¸

 मेरो...............श्री.................सेवामा कार्यरत रहदाँ मिति.........................मा सशस्त्र द्धन्द्ध / कतर्व्यपालनको सिलसिलामा मृत्यु भएको हुदाँ निजका निम्न सन्ततीहरुलाई............नियमावलीको नियम............... को उपनियम.................बमोजिम पाउने सुविधा उपलब्ध गराईदिनु हुन अनूसुचि ९(६) बमोजिम कागजताहरु साथ राखी निवेदन गर्दछु ।

निम्नः- निवेदक

1. ..................................... नामः.............................
2. ठेगानाः.........................
3. ..................................... पट्टा नं...........................

 दस्तखतः........................

अनुसुची ८

**छुट निवृत्तिभरण सम्बन्धी निवेदनको नमुना**

श्रीमान् महानिर्देशक ज्यु¸

प्रहरी किताबखाना लैनचौर¸

काठमाण्डौ ।

विषयः छुट निवृत्तिभरण रकम दिलाई पाउँ ।

महोदय¸

 मिति............................. मा ..................... पदबाट उमेर हद/सेवा अवधिका कारणले निवृत्तिभरण भई मिति............................बाट निवृत्तिभरण पाउने गरी नं........................ को अधिकार पत्र प्राप्त गरेकोमा मैले प्रहरी सेवामा प्रवेश गर्दा प्रहरी नियमावली .........वहाल रहेको र उक्त नियमावलीमा म अवकास हुदाँको पद .................को उमेर हद.......वर्ष भएको र हाल .......... नियमावली २०...... बमोजिम मैले अवकाश प्राप्त गरेको हुँदा ...........नियमावली २०.......... को नियम .............. को उपनियम ....................बमोजिमको सुविधा मैले प्राप्त गरेको निवृत्तिभरण रकममा छुट हुन गएकोले निवृत्तिभरण जारी भएकै मिति देखि उक्त सुविधा थप गरी छुट रकम दिलाई पाउँ भनी यो निवेदन पेश गरेको छु ।

 निवेदक

 नाम¸थरः-

 अवकाश हुंदाको पदः-

 अ.प.नः-

 ठेगानाः-

 दस्तखतः-

**अनुसुची ९**

**सेवा सुविधा लिनको लागि आवश्यक पर्ने कागजातहरु**

1. **उपदान किटान गर्न आवश्यक पर्ने कागजातहरु (दफा १५,२६,३६ र ४३ संग सम्बन्धित)**
* नियम अनुसारको टिकट टाँसी निवेदन ।
* अवकाशपत्र वा राजीनामा स्वीकृत भएको पत्र ।
* उपदान अंक यकिन गरिदिन सम्बन्धित कार्यालयले प्रहरी किताबखानालाई लेखिदिएको सिफारीस पत्र ।
* सेवा अवधिमा गयलकट्टी भए/नभएको सेवा अवधि टुटे/नटुटेको विभागीय कारबाही भए/नभएको र ग्रेड बृद्धि रोक्का भए/नभएको विवरण खुलेको सम्बन्धित कार्यालयको पत्र/न्यायिक निकायको फैसला पत्र ।
* गयल खालि, भगौडा वा नोकरीवाट हटाईएको पत्र र निर्णय पर्चा/पुनर्वहाली पत्र ।
* नागरिकताको फोटोकपी¸ नियुक्ति¸ बढुवा¸ ग्रेड मिलान पत्र ।
* औषधि उपचार सुविधा लिए नलिएको खुलाईएको पत्र ।
* तीनपुस्ते विवरण ।

**२. निवृत्तभरण लिनको लागि आवश्यक पर्ने कागजातहरु(दफा १६,२७,३७ र ४४ संग सम्बन्धित)**

* नियम अनुसारको टिकट टाँसी निवेदन पत्र ।
* अवकाश वा राजीनामा स्वीकृत भएको पत्र ।
* निवृत्तिभरण अधिकार पत्र बनार्इ दिनहुन भनि सम्बन्धित कार्यालयले प्रहरी किताबखानालाई लेखिदिएको सिफारिस पत्र ।
* सेवा अवधिमा गयलकट्टी भए/नभएको सेवा अवधि टुटे/नटुटेको विभागीय कारबाही भए/नभएको र ग्रेड बृद्धि रोक्का भए/नभएको विवरण खुलेको सम्बन्धित कार्यालयको पत्र/न्यायिक निकायको फैसला पत्र ।
* गयल खालि, भगौडा वा नोकरीवाट हटाईएको पत्र र निर्णय पर्चा/पुर्नवहाली पत्र ।
* औषधि उपचार सुविधा लिए नलिएको खुलाईएको पत्र ।
* नागरिकताको फोटोकपी¸ नियुक्ति¸ बढुवा¸ ग्रेड मिलान पत्र ।
* जन्म मिति खुलेको शैक्षिक योग्यताको प्रमाणपत्र र फोटो ३ प्रति ।

**३. पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदानको लागि आवश्यक पर्ने कागजातहरु(दफा १८,२८,३८ र ४५ संग सम्बन्धित)**

* + नियम अनुसारको टिकट टासी निवेदन पत्र ।
	+ सम्बन्धित स्थानिय तह /कार्यालयको व्यहोरा खुलेको सिफारीस ।
	+ मृत्तकसंगको नाता खुलेको प्रमाणपत्र ।
	+ फोटो ३ प्रति ।
	+ मृत्यू दर्ताको प्रमाण पत्र ।
	+ सम्बन्धित पारिवारिक निवृत्तिभरण पाउने व्यक्तिको नागरिकताको प्रतिलिपि । साथै मृत्तकको ना.प्र.प.प्रतिलिपि ।
	+ नावालकको हकमा जन्म दर्ताको प्रमाणपत्र ।
	+ औषधि उपचार लगायतको सुविधा लिए नलिएको खुलेको पत्र ।
	+ नावालकको हकमा निजको अभिभावकको निवेदन तथा नागरिकताको प्रतिलिपि ।

**४. अशक्त बृत्तिको लागि आवश्यक पर्ने कागजातहरु(दफा १९,२९,३९ र ४६ संग सम्बन्धित)**

* नियम अनुसारको टिकट टाँसी निवेदन पत्र ।
* अशक्त अवकाशपत्र¸ नियुक्तिपत्र¸ बढुवा पत्र¸ फोटो ३ प्रति ।
* मेडिकल बोर्डको सिफारिस ।
* सम्बन्धित नियमावलीमा उल्लेख भए बमोजिमको समितिको निर्णय र निर्णय पर्चा ।
* सम्बन्धित कार्यालयको सिफारिस पत्र ।
* औषधि उपचार लगायतको सुविधा लिए नलिएको सम्बन्धित कार्यालयको सिफारीस पत्र ।
* सम्वन्धीत व्यक्तिको नागरिकताको प्रतिलिपि ।

**५. असाधारण पारिवारिक निवृत्तिभरण र उपदान (दफा २०,३०,४१ र ४७ संग सम्बन्धित)**

* नियम अनुसारको टिकट टाँसी निवेदन पत्र ।
* सम्बन्धित स्थानिय तह/कार्यालयको व्यहोरा खुलेको सिफारीस ।
* मेडिकल बोर्डको सिफारिस ।
* सम्बन्धित नियमावलीमा उल्लेख भए बमोजिमको समितिको निर्णय र निर्णय पर्चा ।
* सम्बन्धित कार्यालयको सिफारिस पत्र ।
* मृत्यु दर्ता प्रमाणपत्र ।
* सम्वन्धित व्यक्तिको नागरिकताको प्रमाणपत्र ।
* मृत्तक कर्मचारीसँग नाता खुल्ने प्रमाणपत्र ।
* विवाह दर्ता प्रमाणपत्र¸ फोटो ३ प्रति ।
* औषधि उपचार लगायतको सुविधा लिए नलिएको सम्बन्धित कार्यालयको सिफारीस पत्र ।

**६. सन्ततीवृत्ति र शैक्षिकबृत्तिको लागि आवश्यक पर्ने कागजातहरु(दफा २१,३१,४० र ४८ संग सम्बन्धित)**

* नियम अनुसारको टिकट टाँसी निवेदन पत्र ।
* सम्बन्धित नियमावलीमा उल्लेख भए बमोजिमको समितिको निर्णय र निर्णय पर्चा ।
* सम्बन्धित कार्यालयको सिफारिस पत्र ।
* अशक्त अवकाश पत्र वा मृत्यू खाली पत्र ।
* सम्वन्धित व्यक्तिको नागरिकताको प्रतिलिपि फोटो ३ प्रति ।
* कर्मचारीसँगको नाता खुल्ने प्रमाणपत्र ।
* विवाह दर्ता ।
* जन्म दर्ता ।

 **७. निवृत्तिभरणको अधिकार पत्रको प्रतिलिपि लिनु परेमा आवश्यक पर्ने कागजातहरु**

* नियम अनुसारको टिकट टाँसी निवेदन पत्र ।
* पुरानो अधिकार पत्र ।
* फोटो तिन प्रति ।
* नागरिकताको प्रमाणपत्रको प्रमाणित प्रतिलिपि ।
* निवृत्तिभरण अ.प.हराएको भएमा प्रहरी प्रतिवेदन र बैक स्टेटमेन्ट ।

**८. हरार्इ बेपत्ता भएको व्यक्तिको अ.प. नामसारीका लागि पेश गर्नु पर्ने कागजातहरुः-**

* नियम अनुसारको टिकट टाँसी निवेदन पत्र ।
* सम्बन्धित स्थानिय तहको हरार्इ बेपत्ता भएको मिति खुलेको सिफारिस पत्र (प्रहरी मुचुल्का सहित)
* कर्मचारीको नाता खुलेको प्रमाणपत्र ।
* पति/पत्नि भए विवाह दर्ता ।
* नागरिकताको प्रतिलिपि ।
* फोटो ३ प्रति
* बेपत्ता भएको व्यक्तिले नि.भ. खार्इपार्इ रहेको बैंकको अन्तिम भुक्तानि लिएको देखिने बैंक स्टेटमेन्ट ।

**९.अधिकार पत्र बाहकको मृत्यु भर्इ पारिवारिक निवृत्तिभरण पाउने व्यक्तिको नाममा नामसारी गर्नु परेमा आवश्यक पर्ने कागजातहरु**

* नियम अनुसार टिकट टाँसी निवेदनपत्र ।
* मृतकको निवृत्तिभरण अधिकार पत्र ।
* कर्मचारीसँगको नाता खुलेको प्रमाणपत्र ।
* फोटो ३ प्रति ।
* मृत्यु दर्ताको प्रमाण पत्र ।
* सम्बन्धित पारिवारिक निवृत्तिभरण पाउने व्यक्तिको नागरिकताको प्रमाणित प्रतिलिपि ।
* नावालकको हकमा जन्म दर्ताको प्रमाणपत्र ।
* नावालकको हकमा निजको अभिभावकको निवेदन तथा नागरिकताको प्रमाणित प्रतिलिपि ।
* सम्बन्धित स्थानिय तह /कार्यालयको व्यहोरा खुलेको सिफारीस ।

**१०.निवृत्तिभरण प्राप्त गर्ने व्यक्तिको उमेर ६०¸७५ र ८५ वर्ष पुगी निवृत्तिभरण रकम थप गर्नु परेमा आवश्यक पर्ने कागजातहरु**

* नियमानुसार टिकट सहित निवेदन पत्र ।
* प्रहरी किताबखानाको निवृत्तिभरण अधिकार पत्र जारी गर्दाको अभिलेख।
* नागरिकताको प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि ।

 अनुसुची- १०

**निरीक्षण फारम**

**१. कार्यालयको नामः-**

**२. ठेगानाः-**

**३. कार्यालय प्रमुखको नामः-**

**४. कर्मचारी प्रशासन प्रमुखको नामः-**

**५. जम्मा दरबन्दी संख्याः-**

**६.निरीक्षण विवरणः-**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **सि.नं.** | **विवरण** | **परिणाम** | **कैफियत** |
| **छ** | **छैन** |
| **१** | **कर्मचारी संकेत नम्वर राखेको** |  |  |  |
| **२** | **तलवी प्रतिवेदन पारित गरेको** |  |  |  |
| **३** | **विभागिय कारबाहीको अभिलेख राखेको** |  |  |  |
| **४** | **औषधी उपचारको अभिलेख राखेको** |  |  |  |
| **५** | **सरुवा तथा वढुवाको अभिलेख राखेको** |  |  |  |
| **६** | **स्केल मिलान गर्ने गरेको** |  |  |  |
| **७** | **कर्मचारीको व्यक्तिगत फायल राखेको** |  |  |  |
| **८** | **अभिलेखहरु कम्प्यूटक्रित गरेको** |  |  |  |
| **९** | **सम्पत्ति विवरण वुझाउनेहरुको अभिलेख राखेको** |  |  |  |
| **१०** | **निवृत्तिभरण र उपदानको सिफारिस गरेको तिनपुस्ते विवरणमा आखिरी तलव खुलाउने गरेको** |  |  |  |
| **११** | **सरुवा¸ वढुवा¸ विभागिय सजायबारे कितावखानालाई जानकारी दिने गरेको** |  |  |  |

**७.निरीक्षण मन्तव्य-**

 **(१)**

 **(२)**

**(३)**

**(४)**

**(५)**

**वोधार्थः- श्री गृह मन्त्रालय¸ प्रहरी प्रशासन शाखा ।**

**निरीक्षण गरिएको कार्यालय प्रमुखको
दस्तखत र छापः निरीक्षकको नामः**

 **पदः**

 **कार्यालयः**

 **मितिः**

1. मिति २०७४।५।१४ को निर्णयअनुसार थप । [↑](#footnote-ref-2)